



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ५०]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसंबर १६, १९७८/ग्राहायण २५, १९००

No. ५०] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER १६, १९७८/AGRAHAYANA २५, १९००

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खंड ३—उप-खंड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(राष्ट्रीय मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राष्ट्र भेदभासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्वर्ग बनाए और जारी किए गए साधारण नियम

जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

**General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central
Authorities (other than the Administrations of Union Territories)**

विविध, स्थान और काम्पनी कार्य विभाग

(काम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, २८ नवम्बर १९७८

सांख्यिकी १४९०.—भारत सरकार, काम्पनी कार्य विभाग की प्रधि-
सूचना सं० साँ० का० नि० ४४३(ड) १८ अक्टूबर, १९७२ के साथ
पठित, काम्पनी अधिनियम १९५६ (१९५६ का १) की धारा ५९४
की उपधारा (१) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए,
तथा भारत सरकार के विधि मंत्रालय (काम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की
अधिसूचना सं० साँ० का० ३२१६ तारीख ४ अक्टूबर, १९५७ की
प्रधिसूचना (जिसे इसके पश्चात् 'प्रधिसूचना' कहा गया है) में आंशिक
उपान्तर करते हुए काम्पनी विधि बोर्ड एवं द्वारा यह निर्देश देता है कि
सैर्विस नौमूरा काम्पनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'काम्पनी' कहा
गया है) के मामले में जो एक विवेणी काम्पनी है, उक्त धारा ५९४ की
उप-धारा (१) के खंड (क) की अपेक्षाएँ जैसा कि वे किसी विवेणी
काम्पनी के प्रदत्त लागू होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपालित
की गई हैं, निम्नलिखित प्रत्येक अपेक्षाओं तथा रूपान्तरों के प्रायधीन रहते
हुए लागू होंगी, प्रथम:—

यदि ३१-३-१९७८ के वित्तीय वर्ष की समाप्ति की बाबत काम्पनी
भारत में परिचित रूपान्तर रजिस्टर की, निम्नलिखित की तीन प्रतियाँ

प्रस्तुत करे तो उक्त धारा ५९४ की उपधारा (१) के खंड (क) के
उपबन्धों का पर्याप्त प्रत्यालन कुप्रा समझा जाएगा:—

(क) काम्पनी द्वारा इसके नियमन के बेण में विहित प्राधिकारी को
प्रस्तुत की गई विश्व लेखे की प्रति,

(ख) काम्पनी अधिनियम, १९५६ की धारा ५९२ को उपधारा (१)
के खंड (क) के अधीन भारत में आवेदिका तामील के लिए प्राधिकृत
व्यक्ति तथा भारत के शास-शास्त्र लेखालाल द्वारा, प्रमाणित, भारतीय
पात्रा द्वारा की गई प्रतियों तथा विवरणों का विवरण पत्र,

(ग) ऊपर के पेरा (ख) में वर्णित दंग से प्रमाणित भारत में काम्पनी
की परिस्थितियों तथा वैनदारियों का विवरण पत्र,

(घ) ऊपर मर (ख) में वर्णित व्यक्तियों से इस भाग का प्रभाण
पत्र कि काम्पनी ने भारत में इसकी स्थापना के पश्चात् से कोई व्यापार
नहीं किया है।

काम्पनी विधि बोर्ड के प्रावेद्य से

[फाइल मं० १४/९/७८-सी००८०-६]

मी० लूशालवास, सचिव

DEPARTMENT OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

COMPANY LAW BOARD

New Delhi, the 28th November, 1978

G.S.R. 1490.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) no. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as "the notification") the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. Nomura Trading Co. Ltd. (hereinafter referred to as 'the company') being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of the clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 if in respect of the financial years 31-3-1978 the company submits to the appropriate Registrar of Companies in India in triplicate :—

- (a) a copy of its world accounts as filed by the company with the prescribed authority in the country of its incorporation;
- (b) a statement of receipts and disbursements made by the Indian branch duly certified by the person authorised to accept service of process in India, on behalf of the company under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Companies Act, 1956 and by a Chartered Accountant in India;
- (c) a statement of company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (b) above; and
- (d) a certificate from the persons mentioned in item (b) above to the effect that the company has not carried on any business in India since establishment of its place of business.

By order of the Company Law Board

[F. No. 14/9/78-CLVI]
C. KUSHALDAS, Secy.

ग्राह मंजूरी

(कार्यालय और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई विल्ली, 28 नवम्बर, 1978

सांकेतिक 1491.—केन्द्रीय सरकार, अधिकारी भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध राज्यों को सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् अधिकारी भारतीय सेवा (भविष्य-निधि) नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, ग्राहतः—

1. (1) इन नियमों का नाम अधिकारी भारतीय सेवा (भविष्य निधि) संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. अधिकारी भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियम, 1955 में, —

(1) नियम, 12 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम और टिप्पण रखे जाएंगे, ग्राहतः—

"(1) नियम 13, 15 और 16 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, सरकार किसी अधिकारी की सेवा के प्रद्वाह वर्ष पूर्ण हो जाने

के पश्चात् (जिसमें सेवा की खंडित अवधियाँ, यदि कोई हो, भी हैं) अधिकारी अधिविता पर उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख से पूर्व दस वर्ष के भीतर इनमें से जो भी पहले हो, किसी भी समय उसकी निधि में उसके नाम जमा रकम में से, निम्नलिखित एक या अधिक प्रयोजनों के लिए, अधिकारी द्वारा प्रतिसंहरण की मंजूरी दे सकती है, ग्राहतः—

(क) अपने निवास के लिए उपर्युक्त मकान निर्मित करने या ऐसा भवान प्रथमा बना बनाया पर्सेट, जिसमें जमीन की लागत भी है, प्राप्त करने के लिए ;

(ख) अपने निवास के लिए कोई उपर्युक्त मकान निर्मित करने या ऐसा भवान या बना बनाया पर्सेट प्राप्त करने के लिए अधिव्यवस्थातः लिए गए ऋण महे जो रकम बकाया रह गई है, उसकी आपसी के लिए ;

(ग) अपने निवास के लिए मकान बनाने के लिए कोई जमीन बारीदाने के लिए अथवा इस प्रयोजन के लिए अधिव्यवस्थातः लिए गए ऋण मद्देय जो रकम बकाया रह गई है, उसकी आपसी के लिए ।

(घ) यदि अधिकारी के स्वामित्व में या उसके द्वारा अर्जित पहले से ही कोई मकान या पर्सेट है तो, ऐसे मकान या पर्सेट के पुनर्निर्माण या उसमें परिवर्द्धन या परिवर्तन करने के लिए ;

(इ) किसी ऐसे स्थान पर, जो कर्तव्य के स्थान से विभक्त है, किसी पैतृक मकान के या सरकार से लिए गए ऋण की सहायता से बाहर गए गए मकान के नवीकारण उसमें परिवर्द्धन या परिवर्तन करने के लिए या उसके उचित बशा में रखने के लिए ;

(ज) छण्ड (ग) के अधीन खरीदी गई जमीन पर मकान का निर्माण करने के लिए ;

(क) नियम, 14 और 14-क में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, सरकार, किसी अधिकारी को उसकी सेवा के बीच वर्ष पूरे हो जाने के पश्चात् (जिसमें सेवा की खंडित अवधियाँ, यदि कोई हो, भी हैं) अधिकारी अधिविता पर उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख से पूर्व दस वर्ष के भीतर, इनमें से जो भी पहले ही, किसी भी समय निधि में उसके नाम जमा रकम में से निम्नलिखित एक या अधिक प्रयोजनों के लिए, प्रतिसंहरण की मंजूरी दे सकती है, ग्राहतः—

(क) निम्नलिखित भागों में, उच्च शिक्षा का वर्ष पूरा करने के लिए जिसमें जहाँ आवश्यक हो वहाँ, अधिकारी का प्रथमा उसके किसी बालक के यात्रा-व्यय भी है, ग्राहतः—

(1) हाई स्कूल स्तर के पश्चात् शैक्षिक तकनीकी, वृत्तिक या व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए भारत से बाहर शिक्षा प्राप्त करने के लिए, और

(2) हाई स्कूल स्तर के पश्चात्, भारत में आवृद्धिकालीन जीवनियरी या किसी अन्य तकनीकी या विशेषज्ञता पाठ्यक्रम के लिए ;

(ख) अधिकारी या उसके पुत्रों या उसकी पुत्रियों तथा उस पर वस्तुतः आश्रित किसी अन्य स्त्री नतेवार की मंगनी/विवाह के सम्बन्ध में होने वाले व्यय को पूरा करने के लिए ;

(ग) अधिकारी और उसके कुटुम्ब के सदस्यों अथवा उस पर वस्तुतः आश्रित किसी व्यक्ति की बीमारी के सम्बन्ध में व्ययों का जिसमें जहाँ आवश्यकता हो वहाँ यात्रा व्यय भी है, वहाँ करने के लिए ;

(ज) नियम 13 और 15 विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, सरकार खेती की जमीन या कारबाह के लिए परिसर, या दोनों

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 28th November, 1978

G.S.R. 1491.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government after consultation with the Governments of States concerned, hereby makes the following rules further to amend the All India Services (Provident Fund) Rules, 1955, namely :—

1. (1) These rules may be called the All India Services (Provident Fund) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. (i) In the All India services (Provident Fund) Rules, 1955 :—

(i) for sub-rule (1) of rule 12, the following sub-rules and notes shall be substituted, namely :—

“(1) Subject to the conditions specified in rules 13, 15 and 16, Government may at any time after the completion of fifteen years of Service (including broken periods of services, if any) of a subscriber or within ten years before the date of his retirement on superannuation whichever is earlier, sanction withdrawal by him from the amount standing to his credit in the Fund for one or more of the following purposes, namely :—

- (a) building or acquiring a suitable house or a ready-built flat for his residence including the cost of the site ;
- (b) repaying an outstanding amount on account of a loan expressly taken for building or acquiring a suitable house or ready-built flat for his residence ;
- (c) purchasing a house-site for building a house thereon for his residence or repaying any outstanding amount on account of a loan expressly taken for this purpose.
- (d) reconstructing of/or making additions or alterations to a house or a flat already owned or acquired by a subscriber ;
- (e) renovating making additions or alterations to or upkeep of an ancestral house at a place other than the place of duty or to a house built with a loan from Government at a place other than the place of duty ;
- (f) constructing a house on a site purchased under clause (c);

(1A) Subject to the conditions specified in rules 14 and 14A, the Government may at any time after the completion of twenty years of service (including broken periods of service, if any) of a subscriber or within ten years before the date of his retirement on superannuation, whichever is earlier, sanction withdrawal by him from the amount standing to his credit in the Fund, for one or more of the following purposes namely :—

- (a) meeting the cost of higher education, including where necessary the travelling expenses of the subscriber or any child of the subscriber in the following cases, namely :—
 - (i) for education outside India for academic technical, professional or vocational course beyond the High School Stage ;
 - (ii) for any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the High School stage ;
 - (b) meeting the expenditure in connection with the betrothal or marriage of the subscriber or his sons or daughters, and any other female relation actually dependent on him ;

(c) meeting the expenses in connection with the illness, including where necessary, the travelling expenses, of the subscriber and members of his family or any person actually dependent on him.

(1B) Subject to the conditions specified in rules 13 and 15, Government may at any time within six months before the date of the subscriber's retirement on superannuation, sanction withdrawal from the amount standing to his credit in the Fund for the purpose of acquiring farm land or business premises or both.

Note 1 :—A subscriber who has availed himself of an advance under the Scheme of the Ministry of Works and Housing for the grant of advance for house-building purpose ; or has been allowed any assistance in this regard from any other Government source, shall be eligible for the grant of final withdrawal under clauses (a), (c), (d) and (f) of sub-rule (1) for the purposes specified therein and also for the purpose of repayment of any loan taken under the aforesaid Scheme subject to the limit specified in the second proviso to sub-rule (1) of rule 13.

If a subscriber has an ancestral house or built a house at a place other than the place of his duty or the place where he intends to reside after retirement with the assistance of loan taken from the Government he shall be eligible for the grant of final withdrawal under clauses (a), (c) and (f) of sub-rule (1) for purchase of a house site or for construction of another house or for acquiring a ready-built flat at the place of his duty.

Note 2 :—Withdrawal under clauses (a), (d), (e) or (f) of sub-rule (1) shall be sanctioned only after a subscriber has submitted a plan of the house to be constructed or of the additions or alterations to be made, duly approved by the local municipal body of the area where the site or house is situated and only in cases where the plan is actually got to be approved.

Note 3 :—The amount of withdrawal sanctioned under sub-clause (b) of sub-rule (1) shall not exceed 3/4th of the balance on date of application together with the amount of previous withdrawal under sub-clause (a) reduced by the amount of previous withdrawal. The formula to be followed is : 3/4th (balance as on date plus amount of previous withdrawal(s) for the house in question) minus the amount of the previous withdrawal(s).

Note 4 :—Withdrawal under clauses (a) and (d) of sub-rule (1) shall also be allowed where the house site of house is in the name of wife/husband provided she/he is the first nominee to receive Provident Fund money in the nomination made by the subscriber.

Note 5 :—Only one withdrawal shall be allowed for the same purpose under rule 12. But marriage/education of different children or illness on different occasions shall not be treated as the same purpose. Second or subsequent withdrawal under clauses (a) or (f) sub-rule (1) for completion of the same house shall be allowed upto the limit laid down under Note 3.

Note 6 :—A withdrawal under rule 12 shall not be sanctioned if an advance under rule 10 is being sanctioned for the same purpose and at the same time ;

(ii) in rule 13.

(a) for the existing heading, the following heading shall be substituted, namely :—

“13. Maximum amount of withdrawal under sub-rule (1) and (1B) of rule 12”;

(b) in sub-rule (1) for the word brackets and letter “clause (a)” the words brackets and letters “clauses (a) to (f)” shall be substituted;

(c) in sub-rule (2), for the words, brackets, letters and figures “clause (a) of sub-rule (1) of rule 12” the words, brackets, figures and letters “sub-rules (1) and (1B) of rule 12” shall be substituted;

(iii) in sub-rules (1), (2) and (3) of rule 14, for the words, brackets, letters and figures “clause (b) of sub-rule (1), the words, brackets, letters and figure “clause (a) of sub-rule (1A)” shall be substituted;

(iv) in rule 14A :—

(a) for the existing heading, the following heading shall be substituted, namely—

“14-A. Maximum amount of withdrawal for meeting expenditure on betrothal/marriage of the subscriber or his sons or daughters.

(b) in sub-rules (1) and (2) for the words, brackets, letter and figure “clause (c) of sub-rule (1)” the words, brackets, letters and figures “clause (b) of sub-rule (1A)” shall be substituted.

(v) rule 14-B shall be deleted;

(vi) in sub-rules (1) and (2) of, rule 14-C, for the brackets, figures and letter “(1A)”, for brackets and figure “(2)” shall be substituted;

(vii) in rule 15;

(a) for the existing heading, the following heading shall be substituted, namely :—

“15. Condition for withdrawal under sub-rules (1) and (1B) of rule 12”.

(b) in sub-rule (1) for the word, brackets and letter “clause (a)” wherever they occur, the word brackets and letters “clauses (a) to (f)” shall be substituted;

(viii) in sub-rule (1) of rule 16, for the word, brackets and letter “clause (a)” the word brackets and letters “clauses (a) to (f)” shall be substituted;

(ix) for sub-rule (1) of rule 24, the following shall be substituted, namely :—

(1) If a policy assigned (further assigned) to the Government under rule 21 or under the corresponding rule heretofore in force, matures before the subscriber quits service, or if a policy on the joint lives of a subscriber and the subscriber's wife or husband assigned under the said rule, or under the corresponding rule heretofore in force, falls due for payment by reasons of the death of the subscriber's wife or husband, the Accounts Officer shall, save as provided by rule 26, realise the amount assured together with any accrued bonuses and shall place the amount so realised to the credit of the subscriber in the Fund;

Provided that if the amount assured together with the amount of any accrued bonuses is more than the whole of the amount withheld or withdrawn, it shall be the duty of the Accounts Officer to pay to the subscriber the difference on receipt of a written application in this behalf”.

(x) Form XIII shall be omitted.

[No. 11026/6/76-AIS (III)]

सा० का० नि० 1492.—केन्द्रीय सरकार, अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करने हुए, सम्बन्धित राज्यों की मरकारों से परामर्श करने के पश्चात्, अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियम, 1955 में और संशोधन घरने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) द्विसीय संजोधन नियम, 1978 है।

(2) ये नियम 1 अप्रैल, 1978 से प्रवृत्त हुए समझे जाएँगे।

2. अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियम, 1955 में नियम 15क का लोप किया जाएगा।

लाइब्रेरीकरण जापन

अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियम, 1955 के नियम 15क में निर्धारित कियमान प्रांजना के स्थान पर पहली अप्रैल, 1978 से एक

संशोधित घोनस दोजना लागू की जा रही है। इसलिए यह संशोधन किया जा रहा है। चूंकि घोनस वित्तीय वर्ष के अंत में वेय होता है, इसलिए इस संशोधन को पहली अप्रैल, 1978 से भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी विकारी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

[सं० 11026/4/78 ए० आई०एस० (III)]

आर० एल० अभिवाल, अधर सचिव

G.S.R. 1492.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All-India Service Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the All India Services (Provident Fund) Rules, 1955, namely :—

1 (1) These rules may be called the All India Services (Provident Fund) Second Amendment Rules, 1978.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st April, 1978.

2. In the All India Services (Provident Fund) Rules, 1955, rule 15A shall be deleted.

EXPLANATORY MEMORANDUM

A revised bonus scheme is being introduced with effect from the 1st April, 1978 in place of the existing scheme laid down in rule 15A of the All India Services (Provident Fund) Rules, 1955. Hence this amendment. Since bonus becomes payable at the end of the financial year, no officer is likely to be adversely affected by this amendment being given retrospective effect from the 1st April, 1978.

[No. 11026/4/78-AIS (III)]

R. L. AGGARWAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1978

सं० का० नि० 1493.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवत्त गतियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय अभिनव सेवा महाविद्यालय, नागपुर (लेखाकार तथा पुस्तकालय अध्यक्ष) भर्ती नियम, 1978 में निम्नलिखित मंजूरी करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—

1. (1) इन नियमों का नाम राष्ट्रीय अभिनव सेवा महाविद्यालय नागपुर (लेखाकार और पुस्तकालय अध्यक्ष) भर्ती (मंशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदूष होंगे।

2. राष्ट्रीय अभिनव सेवा महाविद्यालय, नागपुर (लेखाकार तथा पुस्तकालय अध्यक्ष) भर्ती नियम, 1978 की अनुसूची में लेखाकार के पद के संघर्ष में क्रम सं० 1 के विहृ कालम सं० 11 की प्रविटि की जगह निम्नलिखित प्रविटि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“पश्चान्त्रनि

राष्ट्रीय अभिनव सेवा महाविद्यालय के वे उच्च श्रेणी लिपिक जिनकी प्रेषण में पांच साल की सेवा हो चुकी है और जिन्होंने संविधानसभा प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान में रोकड़ एवं लेखा में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है।

स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण

सादृश या समान पदों पर कार्य कर रहे अधिकारी

या

330-560 नंबर के वेनमन में या इनके समान पद पर पांच वर्ष की सेवा बलि वे अधिकारी जिन्होंने संविधानसभा प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान में रोकड़ एवं लेखा प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है;

या

संगठित लेखा विभागों के लेखापरीक्षक/उच्च श्रेणी लिपेक के प्रेड में ताज़ा साल की नियमित सेवा वाले वे अपकि जन्मदिन अधीनस्थ लेखा सेवा या सेवान परिवार उत्तीर्ण करती है।

(प्रतिनियुक्त की अवधि सामान्यतः तीन साल से ऊपरा नहीं होती)।

[सं. I-12014/2/78-ए ई (सी ई)]

पी० कौ० जी० काश्मल, उप सचिव

New Delhi the 30th November, 1978

G.S.R. 1493.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the National Fire Service College, Nagpur (Accountant and Librarian) Recruitment Rules, 1978, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Fire Service College, Nagpur (Accountant and Librarian) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the National Fire Service College, Nagpur (Accountant and Librarian) Recruitment Rules, 1978, against Serial No. 1 relating to the post of Accountant, for the entry in Column 11, the following entry shall be substituted, namely :—

"Promotion.—Upper Division Clerks of National Fire Service College with five years service in the grade and having successfully undergone training in Cash and Accounts at the Institute of Secretariat Training and Management.

Transfer/Transfer on deputation.—Persons holding analogous or equivalent posts;

or

persons with five years service in the scale of Rs. 330—560 or equivalent and having successfully undergone Cash and Accounts training at the Institute of Secretariat Training and Management;

or

persons employed in the organised Accounts Departments as Auditor/Upper Division Clerk with five years regular service in the grade who have passed the Subordinate Accounts Service or equivalent examination.

(Period of deputation ordinarily not exceeding three years.)"

[No. I-12014/2/78-Ad(CD)]

P. K. G. KAIMAL, Dy. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

(Central Boilers Board)

New Delhi, the 27th November, 1978

G.S.R. 1494.—The following draft of certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is hereby published, as required by sub-section (1) of section 31 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration at the end of Forty Five days from the date the Gazette containing this notification of publication is made available to the public.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within the

period so specified will be considered by the Central Boilers Board. Such objections or suggestions should be addressed to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Udyog Bhavan, New Delhi.

DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called the Indian Boiler (.....Amendment) Regulations, 1978.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, in Appendix 'G' in the list of "Well known Steel Makers", the following shall be added at the end, namely :—

"71. M/s. Fried Krupp Hüttenwerke AG,
D 4630, Bochum,
Alleestra Be 165, P.O. Box 1370,
West Germany."

[F. No. 8(10)/75-Boilers]

New Delhi, the 28th November, 1978

G.S.R. 1495.—Whereas certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 were published as required by sub-section (1) of section 31 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923) at page 224 of the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (i), dated the 28th January, 1978 under the notification of the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Industrial Development (Central Boilers Board) No. G.S.R. 156 dated the 5th January, 1978 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the 30th April, 1978.

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 31st January, 1978;

And whereas no objections or suggestions have been received;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Thirteenth Amendment) Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, in Appendix 'K' in the list of "Well known Forges", the following shall be added at the end, namely :—

"24. M/s. Hakimrai Jaichand Forgings Pvt. Ltd., Post Box No. 17321, L.B. Shastri Marg, Bhandup, Bombay-400078."

[F. No. 8(13)/76-Boilers]

S. C. DEY, Secy.

स्वास्थ्य व धरिवार कल्याण मंत्रालय

नई विल्सो, 29 नवम्बर, 1978

सं. का० नि० 1496.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुकड़ाग प्रदत्त विभिन्नों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एवं दूसरा परिवार कल्याण विभाग (बाइंडर ग्र०-1 और 2 तथा फोलिंग मशीन आपरेटर) भर्ती नियमावली, 1973 से संग्रहित करके निम्नलिखित नियम लगाते हैं।

1. (1) इन विभिन्नों का नाम धरिवार कल्याण विभाग (बाइंडर ग्र०-1 और 2 तथा फोलिंग मशीन आपरेटर) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये नियम सरकारी गोपनीय में प्रकाशित होने की तारीख को ही लागू हो जाएगी।

२. परिवार कल्याण विभाग (बांधर ग्रेड-I और II लग फोल्डिंग मणीन आरेक्टर) भर्ती विभावनी, 1973 की अनुसूची में, कम से ३ के सामने, बांधर ग्रेड-II के पद से मम्बनिवित कालबंद 11 "वाईडिंग अनुभाग में साल्डर उन हैलरों में पदोन्नत द्वारा जिन्हें 3 वर्ष का अनुभव हो और जिन्होंने ट्रेड टैस्ट "पास किया हो" सदृश और अन्यों के स्थान पर "वाईडिंग अनुभाग में साल्डर उन हैलरों में से 50 प्रतिशत पदोन्नत द्वारा जिन्हें 3 वर्ष का व्यापत हो और जिन्होंने ट्रेड टैस्ट पास किया हो" अंक, संक्षेप अंतर शब्द प्रतिशालित किए जाएँगे।

[मं. प्र. 12018/2/78/ग्रन्थालय-III]

प्र. एन. गोपालकृष्णन, प्रबंधन अधिकारी

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 29th October, 1978

G.S.R. 1496.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department

of Family Welfare (Binder Grades I and II and Folding Machine Operator) Recruitment Rules, 1973, namely:—

1. (1) The rules may be called the Department of Family Welfare (Binder Grades I and II and Folding Machine Operator) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Department of Family Welfare (Binder Grades I and II and Folding Machine Operator) Recruitment Rules, 1973, against serial No. 2, relating to the post of Binder Grade II, in column 11, for the words and figure, "By promotion from among the Helpers attached to the Binding Section with 3 years experience subject to passing Trade Test" the figures, abbreviations and words, "50 per cent by promotion from amongst the Helpers attached to the Binding Section with three years experience subject to passing Trade Test and 50 per cent by promotion from amongst the Packers with 3 years experience, subject to passing Trade Test", shall be substituted

[No. A-12018/2/78-Estt. III]

A. N. GOPALAKRISHNAN, Under Secy.

सिमरण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1978

सा. १० नि. १४९७.—राज्यपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तु द्वारा प्रदत्त जनियों का प्रयोग करते हुए, एवं द्वारा केन्द्रीय जल प्रयोगशाला में शक्तिकी पदों पर भर्ती की पद्धति को नियमित करने वाले नियम बनाने हैं, नामन:—

1. (1) संविधान नाम तथा प्रारंभ:—ये नियम केन्द्रीय जल प्रयोगशाला (भूप 'सी' तथा युप 'डी') भर्ती नियम, 1978 कहलायेंगे।

(2) ये यजपत्र ये प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना:—ये नियम इससे अनुबन्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनियिष्ट पदों के लिए लागू होंगे।

3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमात्र:—पदों की संख्या उनका वर्गीकरण और वेतनमात्र वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 3 से 5 तक में विनियिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति आयु सीमा और अन्य प्रदेशों:—उक्त पदों की भर्ती की पद्धति आयु सीमा, अहेतुर्यां और उनसे संबंधित अन्य वाले वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 से 14 तक में विनियिष्ट हैं।

5. अनहंतता: यह अधिकत:

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है; या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो—

उक्त किसी पद पर नियुक्ति का पाव नहीं होगा। परस्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीकृत विधि के प्रधीन अनुशेष्य है और ऐसा करने के लिए अन्य अधार मौजूद है तो वह, व्यक्ति को उस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. नियम गियरिंग करने की साक्षित: जहां केन्द्रीय सरकार की रुच हो कि ऐसा करना आवश्यक या मरीचीन है, वहां यह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करने के इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की वाल, आवेदन द्वारा, गियरिंग कर सकेगी।

7. आवृत्ति: इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में सभी समय पर निकाले गए अदैशों के अनुभाग अनुसूचित जनआतियों और अन्य विशेष प्रकारों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अप्रैक्षित है।

ग्रन्ति सूची

क्रम पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमात्र	बयत पद अधिकारी	सीधे भर्ती किए जाने सीधे भर्ती किए जाने वाले अधिकारीयों अधिकारीयों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं श्रमसुधारी
----------------	----------------	----------	-----------	----------------	---

1	2	3	4	5	6	7	8
1. प्रयोगशाला तकनीशियन	1	भावितरण केंद्रीय सेवा मदूर 'भी' (अराज- पद्धति) अधिकारीय	380-12-500-द० रो-13-560 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष (भारतीय आवश्यक: सेवकों के लिए 35 किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय वर्ष तक आयु सीमा गिरिधियों की जा सकती है)	आवश्यकः सेवकों के लिए 35 किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय वर्ष तक आयु सीमा गिरिधियों की जा सकती है)	आवश्यकः सेवकों के लिए 35 किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय वर्ष तक आयु सीमा गिरिधियों की जा सकती है)

टिप्पणी:— आयु-सीमा
अवधारित करने की किसी मन्त्रालय प्राप्त विश्वविद्यालय
निणायिक तारीख या संस्थान से चिकित्सा
भारत में रहने वाले
अधिकारीयों से (उससे
भिन्न जो अधिकारीय
और निकोडार द्वारा
समूह भीर लभाईप
में रहते हैं) आवेदन
दत प्राप्त करने की
अन्तिम तारीख होती
रोजगार कार्यालय के
जरिये नियुक्ति करने
के मामले में, निणायिक
तारीख वही अन्तिम
तारीख मानी जाएगी
जिस तारीख को
रोजगार कार्यालय से
नाम भेजने के
लिए कहा जाए।

क्या सीधी भर्ती किए
जाने वाले अधिकारीयों
के लिए विहित आयु
और शैक्षिक अर्हताएं
प्रदर्शित की वशा में
लागू होती या नहीं

परिवीक्षा की
अवधि यदि कोई हो या प्रोफ्रेशनलिस्ट/
स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न
पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली
रिक्तियों की प्रतिशतता

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होती
प्रोफ्रेशनलिस्ट/स्थानान्तरण
द्वारा भर्ती की वशा में ये श्रेणियां
नमिति हैं तो उसकी संरचना
जिससे प्रोफ्रेशनलिस्ट/
स्थानान्तरण किया जाएगा

यदि विभागीय प्रोफ्रेशन भर्ती करने में किन
द्वारा भर्ती की वशा में ये श्रेणियां
नमिति हैं तो उसकी संरचना
परिस्थितियों में संधे
लोक सेवा आयोग द्वारा
परामर्श किया जाएगा

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	विभागीय परोपति समिति का गठन :	लागू नहीं होता
				1. उपनिवेशक (जीव संसाधन) राष्ट्रीय संचारी रोपण संस्थान, दिल्ली —अध्यक्ष	
				2. केंद्रीय जल प्रयोगशाला के संस्कारी विशेषक या राष्ट्रीय संचारी रोपण संस्थान के निदेशक द्वारा नियुक्त किए जाने वाला कोई अन्य अधिकारी	—सदस्य
				3. अवर सचिव (ई० पी० सी०) निर्माण और आवास मंत्रालय—सदस्य	

1	2	3	4	5	6	7	8
2. प्रयोगशाला सहायक	1	साक्षात् केन्द्रीय सेवा समूह सी' (भारत- परित) (परिस्थिति- कर्त्तव्य)	260-8-300-८०८०० 8-340-10- 380-८०८०-१०- ४३० रुपये	प्रबन्धन	26 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए ३५ वर्ष तक आयु सीमा। शिखिल की जा सकती है)	(सरकारी सेवकों के लिए ३५ वर्ष तक आयु सीमा। या बीम सेवियां के विषयों में अधिक ज्ञानी या इसके समकक्ष आहत।	प्रबन्धक :— 1. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या बीम सेवियां के विषयों सहित भौद्धिक या इसके समकक्ष आहत।

टिप्पणी—आयु सीमा प्रबन्धित करने की विणी-प्रयोगशाला में तीन वर्ष का विकासीक भारत में अनुभव। इनसे प्रभाव और अप्पमाल और निकोडार हीप समूह और लकड़ीप में रहते हैं) प्रावेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी। रोजगार कार्यालय के अधिकारी नियुक्ति करने के मामले में, नियायिक तारीख वही अंतिम तारीख मानी जाएगी जिस तारीख की रोजगार कार्यालय से भाव नेतृत्व के लिए कहा जाए।

9	10	11	12	13	14
आयुः कोई प्राह्ता नहीं जी हो	2 वर्ष	सीढ़ी भर्ती न होने पर पदोन्नति के द्वारा	प्रयोगशाला परिचारक में से विभागीय पदोन्नति समिति सागृ नहीं होता पदोन्नति द्वारा जिनकी नियमित का गठन : प्राक्षार पर नियुक्ति के पश्चात् प्रवत्त पेड़ में ५ वर्ष की सेवा प्रथम पूरी हो गई हो	1. उप नियेशक (जीव रसायन), राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, विलासी— भौद्धिक 2. केन्द्रीय जल प्रयोगशाला के सरकारी विकासक माराष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान के नियेशक द्वारा नामित कोई अन्य दर्विकारी— सदस्य 3. अपर सचिव (५० पी० सी०) नियोग और भावास मंत्रालय—सदस्य	

1	2	3	4	5	6	7	8
3. प्रयोगशाला -परिषारक	1 साक्षात्कार के दीय सेवा 210-4-250-द० रो०	लागू नहीं होता	25 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए 35 वर्ष तक आधुनिकीय शिखिल की जा सकती है)	प्राप्तिक :— किसी माध्यमापात्र विवरितालय या बोर्ड से विज्ञान के विषयों सहित सैट्रिक या इसके समकक्ष अर्हता।	समूह "ई" (असाज-पत्रित), (असिपिकवर्गीय)	5-270 रुपये	टिप्पणी:—आधुनिकीय लाभनीय:— प्रबन्धारित करने किसी चिकित्सा या अनुसंधान प्रयोग-की निर्णायक तारीख शाला में कांच के सामान और भारत में रहने वाले रसायनों के प्रयोग करने में अनुभव। अस्थायियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की प्रतिम तारीख होती। रोजगार कायालय के जरिये नियुक्ति करने के मामले में, निर्णायक तारीख वही मन्त्रिम लारीख मानी जाएगी जिस तारीख को रोजगार कायालय से नाम भेजने के लिए कहा जाए।

9	10	11	12	13	14
3. लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	विभागीय पदोन्नति समिति का गठन लागू नहीं होता	1. उप निदेशक (जीव रसायन) राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, विलो— —प्रध्यक्ष 2. केन्द्रीय जल प्रयोग-शाला के सरकारी विशेषक या राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान के निदेशक द्वारा नामित कोई अन्य अधिकारी—सदस्य 3. अध्यक्ष सचिव (ई० री० सी०) निर्माण और प्रावास मंत्रालय—सदस्य

[सं० ए० 12012/1/77-ई० पी० सी० 3]
पी० ए० सुन्वरम्, उप सचिव

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 25th November, 1978

G.S.R. 1497.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the technical posts in the Central Water Laboratory, namely:—

1. (i) Short title and commencement.—These rules may be called the Central Water Laboratory (Group C and Group D) Recruitment Rules, 1978.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 2 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number, classification and scale of pay.—The number of the posts, their classification and scale of pay attached thereto shall be specified in columns 3 to 5 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said posts, age

limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 6 to 14 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with any person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that the marriage is permissible under the personal law

applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

S. No.	Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non- Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifica- tions required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Laboratory Technician	1	General Central Service, Group 'C', (Non-Gazetted), Non-Ministerial.	Rs. 380-12-500-EB- 15-560.	Not applicable	25 years (upper age limit relax- able for Govern- ment servants upto 35 years. Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates from candidates than those in Andaman & Nicobar Islands and Laksha- dweep). In case of appointment through the Employment Exchange, the crucial date will be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Essential : Bachelor's Degree in Science or Medical Technology (Labora- tory) from a recognised Univer- sity or Institution; OR Higher Secondary with 2 years' Diploma Course in Medical Laboratory Technology from a recognised University or Board or Institution. Desirable : One year's experience in Medical or Research Laboratory.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition?	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By direct recruitment.	Not applicable	Composition of the Departmental Promotion Committee: 1. Deputy Director (Bio-Chemistry), National Institute of Communicable Diseases, Delhi —Chairman. 2. Government Analyst of the Central Water Laboratory or any other officer be to nominated by the Director, NICD. —Member. 3. Under Secretary (EPC) Ministry of Works & Housing. —Member.	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
2. Laboratory Assistant	1	General Central Service, Group 'C', (Non-Gazetted), Non-Ministerial.	Rs. 260-8-300-EB-8-340-10-380-EB-10-430.	Non-Selection	25 years (upper age limit relaxable for government servants upto 35 years). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In case of appointment through the Employment Exchange, the crucial date will be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Essential : (1) Matriculation or equivalent qualification with Science subjects from a recognised University or Board. (2) Three years' experience in Biochemistry/Research Laboratory.	

8	2	10	11	12	13
Age : No Qualification : Yes	2 years	By promotion, failing which by direct recruit- ment.	By promotion from Labora- tory Attendant with 5 years' service in the Grade after appointment thereto on regular basis.	Composition of Depart- mental Promotion Committee :	Not applicable

1. Deputy Director (Bio-Chemistry), National Institute of Communicable Diseases, Delhi.—Chairman
2. Government Analyst of the Central Water Laboratory or any other officer be nominated by the Director, National Institute of Communicable diseases —Member
3. Under Secretary (EPC), Ministry of Works and Housing. —Member

1	2	3	4	5	6	7
3. Laboratory Attendant	1	General Central Service, Group 'D', (Non-Gazetted), Non-Ministerial	Rs. 210-4-250-EB-5- 270	Not applicable	25 years (upper age limit relaxable for Government servants upto 35 years). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In case of appointment through the Employment Exchange, the crucial date will be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.	Essential : (1) Matriculation or equivalent qualification with Science Subjects from a recognised University or Board. Desirable : Experience in handling glassware and chemicals in a Medical or Research Laboratory.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By direct recruitment.	Not applicable	Composition of the Departmental Promotion Committee :	Not applicable

1. Deputy Director (Bio-Chemistry), National Institute of Communicable Diseases, Delhi.—Chairman
2. Government Analyst of the Central Water Laboratory or any other officer nominated by Director, National Institute of Communicable Diseases.—Member
3. Under Secretary (EPC), Ministry of Works and Housing. —Member

(पुस्तकालय विभाग)

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1978

सांख्यिकी 1498.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु कदाचित् शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति इसके द्वारा वण्डकारण्य परियोजना (समूह 'क' तथा समूह 'ब' के पदों) भर्ती नियम, 1968 में और संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम वण्डकारण्य परियोजना (समूह 'क' तथा समूह 'ब' के पदों) पर भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 कहलायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. वण्डकारण्य परियोजना (समूह 'क' तथा समूह 'ब' के पदों) पर भर्ती नियम, 1968 की अनुसूची में 'सहायक अनुसंधान अधिकारी' के पश्च से संबंधित जन्म संख्या-14 तथा उससे संबंधित हस्ताक्षों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद है प्रथमा सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों से गैर-चयन पद वाले के लिये प्रायु प्रवेशित, शीक्षिक तथा अन्य योग्यताएं	चयन पद है प्रथमा सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों से गैर-चयन पद वाले के लिये प्रायु प्रवेशित, शीक्षिक तथा अन्य योग्यताएं	चयन पद है प्रथमा सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों से गैर-चयन पद वाले के लिये प्रायु प्रवेशित, शीक्षिक तथा अन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	7
14. सहायक अनुसंधान अधिकारी	3	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'ब' राजपत्रित	650-30-740-35- 810-व०रो०-35- 880-40-1000- व०रो०-40-1200 श०	चयन (सरकारी कर्म- चारियों के लिए छूट)	35 वर्ष से प्रधिक नहीं अनिवार्यः (1) किसी मान्यताप्राप्त विषय- विद्यालय या संस्थान से सिक्षित होना चाहिये। टिप्पणी: प्रायु सीधा नियमित करने के लिए भारत में उम्मीदवारों से प्राप्त प्राप्त करने की दृष्टिकोण से भी किसी भी विद्यालय से भौतिकी में विज्ञान या उच्चतम तरीका दृष्टिकोण से भी किसी भी विद्यालय में दो वर्ष का अनुभव। (अन्तिम तथा टिप्पणी-1: अन्य प्रकार से योग्य तिकोड़ार दीप समूह तथा लकड़ीप के उम्मीदवारों को छोड़कर) (2) भू-विज्ञानी प्रयोगशाला प्रथमा ही निर्णयक तरीका माना जाएगा। (अन्तिम तथा टिप्पणी-2: यदि चयन की किसी भी अवस्था में संघ लोक सेवा प्रयोग की यह राय हो कि अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन-जाति के उम्मीदवारों के भर्ती के लिए इन समूहों के प्रवेशित अनुभव रखने वाले उम्मीदवार उपलब्ध होने की संभावना नहीं है तो अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन- जातियों के उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा प्रयोग प्रयोगी हजार से अनुग्रह संबंधी योग्यताओं में छूट दे सकता है। वाठनीयः भौतिकी में विज्ञान-निष्पात की डिप्री वाले उम्मीदवारों के मामले में स्तर पर रसायन-विज्ञान एक विषय में रूप में होना चाहिये।	अनिवार्यः (1) किसी मान्यताप्राप्त विषय- विद्यालय या संस्थान से सिक्षित होना चाहिये। टिप्पणी: प्रायु सीधा नियमित करने के लिए भारत में उम्मीदवारों से प्राप्त प्राप्त करने की दृष्टिकोण से भी किसी भी विद्यालय से भौतिकी में विज्ञान या उच्चतम तरीका दृष्टिकोण से भी किसी भी विद्यालय में दो वर्ष का अनुभव। (अन्तिम तथा टिप्पणी-1: अन्य प्रकार से योग्य तिकोड़ार दीप समूह तथा लकड़ीप के उम्मीदवारों को छोड़कर) (2) भू-विज्ञानी प्रयोगशाला प्रथमा ही निर्णयक तरीका माना जाएगा। (अन्तिम तथा टिप्पणी-2: यदि चयन की किसी भी अवस्था में संघ लोक सेवा प्रयोग की यह राय हो कि अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन-जाति के उम्मीदवारों के भर्ती के लिए इन समूहों के प्रवेशित अनुभव रखने वाले उम्मीदवार उपलब्ध होने की संभावना नहीं है तो अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन- जातियों के उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा प्रयोग प्रयोगी हजार से अनुग्रह संबंधी योग्यताओं में छूट दे सकता है। वाठनीयः भौतिकी में विज्ञान-निष्पात की डिप्री वाले उम्मीदवारों के मामले में स्तर पर रसायन-विज्ञान एक विषय में रूप में होना चाहिये।

क्षया सीधी भर्ती के परिवेक्षक की प्रवधि उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आयु तथा योग्यताएं प्रवेशित वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होती

भर्ती की विधि सीधी भर्ती द्वारा, यदि प्रवेशित/प्रतिनियुक्ति/स्थाया प्रवेशित द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विविध विधियों से भरी जाने वाली विविध विधियों का प्रतिशत

यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति ही तो उसकी संख्या भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाता है

8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं शिक्षा योग्यताएं: जैसा कि कालम-11 उच्चतम किया गया है।	2 वर्ष	प्रवेशित द्वारा, इसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण एसे अनुसंधान सहायक जिनकी द्वारा तथा दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण एसे अनुसंधान सहायक जिनकी द्वारा तथा दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा। प्रपते देश में 6 वर्ष की नियमित सेवा हो गई हो तथा कम से कम विज्ञान में डिप्री हो जिसमें भौतिकी या रसायन विज्ञान एक विषय के रूप में लिया हो या सिविल इंजीनियरिंग में विष्लोमा। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों के अंतर्गत सभान वदों पर कार्य कर रहे अधिकारी या जिनकी 560-990 रु./425-700 रु. या इसके समकक्ष वेतन-मानों में कमातः 3/5 वर्ष की नियमित सेवा हो गई हो तथा जो सीधी भर्ती के लिए कालम 7 में वर्णित गई निर्धारित योग्यताएं रखते हों। (प्रतिनियुक्ति की प्रवधि सामान्य-तथा तीन वर्ष से प्रधिक नहीं होगी)	ममूल 'ब' विभागीय पदोन्नति सीधी भर्ती करते समय समिति : 1. अध्यक्ष तथा मुख्य प्रशासक के किसी अधिकारी ——अध्यक्ष को स्थानान्तरण 2. उप मुख्य प्रशासक पर प्रतिनियुक्ति करते समय संघ 3. अधीक्षक इंजीनियर(1), दण्डकारण्य परियोजना (जिस संगठन में नियमित हो वहाँ के प्रधान के रूप में) ——सदस्य	प्रीर राज्य सरकार —अध्यक्ष को स्थानान्तरण करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 29th November, 1978

G.S.R. 1498.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend Dandakaranya Project (Group 'A' and Group 'B' posts) Recruitment Rules, 1968, namely :—

[सं० 11(1)/77-प्रग-III]
सोहन लाल मेदीरता, ग्रवर सचिव

1. (1) These rules may be called the Dandakaranya Project (Group 'A' and Group 'B' posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978;

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Dandakaranya Project (Group 'A' and Group 'B' posts) Recruitment Rules, 1968, the Schedule, for Serial No. 14 relating to the post of Assistant Research Officer and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5	6	7
14. Assistant Research Officer	3	General Central Service, Group 'B', Gazetted	Rs. 650-30 740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Selection Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants).	Essential : (i) Degree in Civil Engineering or equivalent from a recognised University or Institution OR	

1	2	3	4	5	6	7
				NOTE : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	M.Sc. degree in Physics from a recognised University or equivalent. (ii) 2 years' experience in a Soil Mechanics Laboratory or in the construction of earth dams.	NOTE 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. NOTE 2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Chemistry as a subject at degree level in the case of M.Sc. degree holders in Physics.

8	9	10	11	12	13
Age : No Educational qualifications : To the extent indicated in column 11.	Two years	By promotion, failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.	Promotion : Research Assistants with 5 years' regular service in the grade and possessing at least a degree in Science with Physics or Chemistry as a subject or a Diploma in Civil Engineering. Transfer on deputation : Officers under the Central/ State Governments holding analogous posts or with 3/5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 550-900/Rs. 425-700 or equivalent respectively and possessing qualifications prescribed for direct recruits in column 7. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' Departmental Promotion Committee : 1. Chairman and Chief Administrator.—Chairman 2. Deputy Chief Administrator.—Member 3. Superintending Engineer (I), Dandakaranya Project (as Head of Organisation where vacancies occur)—Member	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and appointing an officer from State Government on deputation."

संचार संचालन

(उम्पूँ पी० सू० विंग)

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1978

सा०का०लि० 1499.—केंद्रीय सरकार, भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 और धारा 7 द्वारा प्रवृत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के अधीन अनुशृत व्यक्तियों द्वारा प्रेयानुशीली सेवा में स्थापित, प्रनुशृत और आलिस बेतार-तार के संचालन के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है।

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय बेतार-तार प्रांतिकी (प्रेयानुशीली सेवा) नियम, 1978 है।

(2) ये 1-1-1979 की प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अस्थापनेवाले न हो,—

(क) "अधिनियम" से भारतीय तार अधिनियम 1885 (1885 का 13) अभिप्रेत है;

(ख) प्रेयानुशीली सेवा से प्रेयानुशीलियों द्वारा प्रार्थित इन नियमों के अधीन सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत ऐसे व्यक्ति द्वारा जो रेडियो तकनीक में केवल व्यक्तिक उद्देश्य से हो तथा किसी घन सम्बन्धी सामग्री के स्वतं रखते हों, व्यापारी जा रही भारत-प्रशिक्षण, प्रनुशृतसंचारक तथा तकनीकी अन्वेषण सम्बन्धी सेवा अभिप्रेत है;

(ग) 'प्रेयानुशीली केन्द्र' और 'केन्द्र' के क्रमानुसार होंगे जो उन्हें कन्वेंशन में दिया गया है;

(घ) 'कन्वेंशन' से तत्त्वमय प्रवृत्त प्रनुशृतीय दूरसंचार कन्वेंशन, मालगाड़ीरेमिलिनोर्स, 1973 और उससे उपायकृत रेडियो विनियम और अस्तिरिक्ष रेडियो विनियम अभिप्रेत हैं किन्तु इसमें उक्त कन्वेंशन या विनियमों का वह भाग सम्मिलित नहीं है जिसके सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार ने कोई भारतीय रक्ता होंगे;

(ङ) 'अनुशृति' से किसी प्रेयानुशीली बेतार तार-प्रांतिकी केन्द्र के लिए अधिनियम की धारा 4 के अधीन अनुवृत्त अनुशृति लिए अभिप्रेत हैं।

3. अनुशृति की अनियांत्रिता——कोई व्यक्ति, प्रेयानुशीली बेतार-तार केन्द्र की स्थापना-प्रनुशृत और प्रचालन, इन नियमों के अधीन अनुवृत्त समूचित अनुशृति के निवन्धनों और शर्तों के अधीन और उनके अनुशार ही करेगा, अन्यथा नहीं।

4. अनुशृतियों के प्रवर्ग:—अनुशृतियों के बारे प्रवर्ग होंगे, अस्थापत्:—

- (1) उच्च प्रेयानुशीली बेतार-तार केन्द्र अनुशृति
- (2) प्रेयानुशीली बेतार-तार केन्द्र अनुशृति श्रेणी-1
- (3) प्रेयानुशीली बेतार-तार केन्द्र अनुशृति, श्रेणी-2
- (4) लघु तरंग श्रोता प्रेयानुशीली बेतार-तार केन्द्र अनुशृति।

5. अनुशृति के लिए पात्रता:—(1) इन नियमों के उपायकृत 1 में दी गई शर्तों के अधीन रहते हुए, निम्नलिखित की अनुशृति अनुदत्त की जा सकती है:—

(1) कोई व्यक्ति:—

- (क) जो भारत का नागरिक है,
- (ख) जो 18 वर्ष से कम आयु का नहीं है।

(ग) जिसने, उच्च प्रेयानुशीली बेतार-तार केन्द्र अनुशृति की दशा में, किसी प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुशृति श्रेणी-2 के प्रत्यर्थी बनाने वाले किसी प्रेयानुशीली केन्द्र का कम से कम 2 वर्ष का प्रचालन किया हो।

(घ) जो प्रमाणपत्र का धारक है या जो नीचे विनिर्विष्ट परीका पास करता है:—

(क) उच्च प्रेयानुशीली बेतार-तार केन्द्र अनुशृति की दशा में,—

(1) रेडियो संचार प्रचालक साधारण प्रमाणपत्र, या

(2) प्रथम या द्वितीय श्रेणी रेडियो-तार प्रचालक प्रमाणपत्र, या

(3) उच्च प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक परीका;

(ख) प्रेयानुशीली बेतार-तार केन्द्र अनुशृति, श्रेणी-1 की दशा में—

(1) मद (क) में विनिर्विष्ट प्रमाणपत्रों में से एक या

(2) प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक श्रेणी-1 की परीका

(ग) प्रेयानुशीली बेतार-तार केन्द्र अनुशृति, श्रेणी-2 की दशा में,—

(1) मद (ख) में विनिर्विष्ट प्रमाणपत्रों में से एक, या

(2) विशेष रेडियो तार प्रचालक का प्रमाणपत्र, या

(3) प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक श्रेणी-2 परीका।

(4) भारत की ऐसी वास्तविक प्रेयानुशीली रेडियो सोसाइटी या कल्याण या विद्यालय, महाविद्यालय या संस्था या विश्वविद्यालय जिसका उद्देश्य रेडियो के क्षेत्र में अन्वेषण करना या रेडियो संचार तकनीकी में व्यक्तियों का प्रशिक्षण है:

परन्तु मह अनुशृति, भारत में उस सोसाइटी, कल्याण, विद्यालय, महाविद्यालय या संस्था या विश्वविद्यालय के ऐसे प्राधिकृत अधिकारी के नाम में जारी की जाएगी जिसके पास प्रस्थापित केन्द्र से संचालित किए जाने वाले पारेषण के लिए समूचित प्रवर्ग की अनुशृति हो।

(2) उप नियम (1) के खण्ड (ख) में किसी बात के होते हुए भी, केन्द्रीय सरकार, 16 से 18 वर्ष के मध्य की आयु के वास्तविक प्रयोगकर्ताओं की प्रेयानुशीली बेतार-तार केन्द्र अनुशृति, श्रेणी-1 अनुवृत्त कर सकती है और 14 से 18 वर्ष के मध्य की आयु के वास्तविक प्रयोगकर्ताओं को प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुशृति, श्रेणी-2 या लघु तरंग श्रोता प्रेयानुशील बेतार तार केन्द्र अनुशृति अनुदत्त कर सकती है;

परन्तु यह तब जब ऐसी अनुशृतियों के अनुदान के लिए आवेदन के साथ भारत के बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा मान्यताप्राप्त शिक्षा-संस्था के, जिसमें अह आवेदन रहा हो, प्रधान का या आवेदक के विधिक संरक्षक का यह प्रमाणपत्र हो कि आवेदक बेतार-तार में प्रयोग करने में विलक्षणी रखता है और उसके लिए सक्षम है।

(3) उपनियम (1) के खण्ड (ख) के उपखण्ड (घ) में किसी बात के होते हुए भी केन्द्रीय सरकार ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह समय समय पर विहित करे। ऐसे अन्य रेडियो तार प्रचालक प्रमाणपत्रों या प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक प्रमाणपत्रों को मान्यता देते हुए जो किसी अन्य देश के सकाम प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए हो और जो इन नियमों के अधीन अनुशृति के अनुदान के प्रयोगनामे उपनियम (1) के खण्ड (1) के उपखण्ड (घ) में निर्दिष्ट अद्वितीयों के समतुल्य हों।

6. अनुज्ञापित के लिए आवेदनः—अनुज्ञापित के अनुदान के लिए—

(क) किसी व्यक्ति से, या

(ख) भारत में किसी प्रेयानुशीली रेडियों सोसाइटी या क्लब या किसी विद्यालय या किसी संस्थान या किसी विश्वविद्यालय से—
कोई आवेदन केन्द्रीय सरकार को इन नियमों के क्रमसः उपावन्ध 1 और उपावन्ध 2 में, सम्यक रूप में भरे गए और सभी प्रकार से पूर्ण सभी अनुच्छेदी प्रस्तुतियों और दस्तावेजों सहित किया जाएगा।

7. प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक की परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्रता:—
कोई भी व्यक्ति, अनुज्ञापित के अनुदान के लिए परीक्षा में प्रवेश का पात्र तक नहीं होगा, जब तक कि,—

(क) ऐसा व्यक्ति, नियम 5 के उपनियम (1) के खण्ड (i) के उपर्युक्त (क), (ख) और (ग) में दिए गए उपर्युक्तों को पूरा न करे;

(ख) ऐसा व्यक्ति निम्नसिद्धित मापमान पर कीस का संवाय न करे,
अर्थात्:—

(1) उच्च प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक परीक्षा 25.00 रु०

(2) प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक श्रेणी 1 परीक्षा 20.00 रु०

(3) प्रेयानुशीली केन्द्र बालक श्रेणी 2 परीक्षा 10.00 रु०

(ग) उस परीक्षा में जिसमें वह अंतिम बार बैठा हो और अनुसूर्य हो गया हो कम से कम एक मास की अवधि अवृत्ती हो गई हो।

8. परीक्षा:—(1) अनुज्ञापित के अनुदान के लिए परीक्षाएँ* से स्थान** पर और ऐसी तारीख की जी जारी जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर अधिसूचित करे।

(2) इन नियमों के उपावन्ध 2 या यथास्थित, उपावन्ध 3 में अनुज्ञापित के लिए आवेदन, उस मास से, जिसमें परीक्षा लेने की बाढ़ की गई है, पूर्ववर्ती मास को पन्द्रह तारीख के पश्चात् नहीं किया जाएगा।

(3) वह व्यक्ति, जिसे परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया है और जिसने प्रतिरूपण का गढ़ी गई दस्तावेजें या ऐसी बस्तावेजें, जो बिंगड़ी गई हो, प्रस्तुत करने या ऐसा करने जो गलत या मिथ्या हो, या तात्कालिक सूचना देने या परीक्षा भवन में अनुज्ञा साधनों का प्रयोग करने या प्रयोग करने का प्रयास करने या परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित या अनुचित साधनों की सहायता देने का दोषी पाया गया हो, स्वयं को दोषिक अभियोजन के लिए दोषी बनाने के अतिरिक्त इन नियमों के अधीन अनुज्ञापित दिए जाने के लिए ली जाने वाली किसी परीक्षा में प्रवेश पाने से स्थायी रूप से या किसी विनिर्दिष्ट प्रवधि के लिए विवरित किया जा सकता है:

परन्तु इस उपनियम के अधीन कोई प्रावेश तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि सम्बद्ध व्यक्ति को, की जाने के लिए प्रस्थापित कार्रवाई के विशद प्रभावेदन करने का युक्तियुक्त प्रवसर न दे दिया गया हो।

(4) यदि किसी व्यक्ति को, अनुज्ञापित अनुदान किए जाने के पश्चात् उपनियम (3) में निर्दिष्ट किसी अनावार के लिए दोषी पाया गया है तो केन्द्रीय सरकार, उसे अभियोजित करने के अतिरिक्त उसे इस प्रकार दी गई अनुज्ञापित को भी रद्द कर सकती है:

परन्तु केन्द्रीय सरकार, अनुज्ञापित को रद्द किए जाने तक, ऐसे प्रमाणपत्र को निलम्बित या पूछांकित कर सकती है:

परन्तु यह और कि इस उपनियम के अधीन कोई प्रावेश तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि सम्बद्ध व्यक्ति को, की जाने के लिए प्रस्थापित कार्र-

वाई के विशद, आव्यावेदन करने का युक्तियुक्त प्रवसर न दे दिया गया हो।

टिप्पणी:—

* इस परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम उपावन्ध 1 के रूप में मुद्रित किया गया है।

** विशिष्ट केन्द्रों पर सामान्यतः संचालित परीक्षाओं की अनुज्ञापित उपावन्ध 2 में उपवर्णित है।

9. अनुज्ञापित का अनुदान:—प्रत्येक प्रवर्ग की अनुज्ञापित इन नियमों के उपावन्ध 4 में उपवर्णित प्रस्तुत में होगी।

10. अधिनियम के प्रधीन अनुज्ञापित की शर्तों, कन्वेशन और नियमों का अनुपालन:—

(1) प्रत्येक अनुज्ञापित प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्रः—

(क) इन नियमों के उपावन्ध 1 में अन्तर्विष्ट शर्तों;

(ख) कन्वेशन के उपबन्धों;

(ग) अधिनियम की शारा 7 के प्रधीन, बेतार तार के संचालन के लिए, केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाए गए नियम, जहां तक कि वे लागू हों;

के अनुसार स्थापित, अनुरक्षित और चालित किया जाएगा।

(2) उपनियम (1) के होते हुए भी, केन्द्रीय सरकार, किसी भी समय अनुज्ञापितधारी की विशिष्ट रूप में विशिष्ट सूचना देकर, या राजपत्र में प्रथम नई विस्तीर्ण में प्रकाशित किसी समाचार पत्र में प्रकाशित किसी साधारण सूचना द्वारा, उपावन्ध 1 में अन्तर्विष्ट अनुज्ञापित की किसी भी शर्त को उपान्तरित, परिवर्तित, रद्द या प्रतिसंहृत कर सकती है।

(3) अनुज्ञापितधारी अनुज्ञापित की शर्तों में किए गए किसी भी परिवर्तन को अपने स्वयं के व्यय पर प्रभावशील बनाएगा।

11. विधिनायता की अवधि:—इन नियमों के प्रधीन अनुदान अनुज्ञापित, अनुज्ञापित के जारी किए जाने की तारीख से प्रारम्भ होने वाली वी वर्ष की अवधि के लिए जारी की जाएगी।

12. अनुज्ञापित की कीस:—(1) केन्द्रीय सरकार से अनुदेश प्राप्त होने पर और उसके द्वारा निर्देशित रीति से अनुज्ञापित-कीस उस सरकार को निम्नसिद्धित मापमान के अनुसार केवल भारतीय मुद्रा में संदैय होती।—

अनुज्ञापित का प्रवर्ग	कीस
उच्च प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुज्ञापित	50 रु०
प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुज्ञापित, श्रेणी-1	40 रु०
प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुज्ञापित, श्रेणी-2	25 रु०
लघु तंरंग श्रीलं प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुज्ञापित	25 रु०

(2) कोई भी अनुज्ञापितधारक इस कारण कि वह अनुज्ञापित प्रेयानुशीली केन्द्र की स्थापना करने या उसका उपयोग करने में असमर्थ रहा है, उसके लिए संदर्भ कीस को वापस पाने का हफदार नहीं होती।

13. प्राधिकृत आवृत्ति-बैंड, शक्ति और उत्सर्जन:—अनुज्ञापित धारक, अनुज्ञापित के लिए समुचित, आवृत्ति-बैंडों, शक्ति और उत्सर्जन के बारे का उपयोग, जैसे कि इन नियमों के उपावन्ध 5 में दिया गया है, करेगा:

परन्तु केन्द्रीय सरकार, जहां उस का यह समाधान हो जाए कि ऐसा करना समीचीन है अन्य बातों के साथ-साथ कन्वेशन के उपबन्धों, उपस्कर की बाबत उपायक तकनीकी मानकों को लागू करने की आवश्यकता और राज्यीय तथा अन्तर्राज्यीय रेडियो हस्तक्षेप के स्वरूप को घ्यान में रखते हुए, किसी विशेष या साधारण आदेश द्वारा आवृत्ति-बैंडों शक्ति और उत्सर्जन-प्रकारों के प्रयोग में परिवर्तन कर सकती है।

14. अनुशंसित का नवीकरण.—(1) अनुशंसित की विधिमाल्यता की समाप्ति पर, उसे वो वर्ष की अवधि के लिए नवीकृत किया जा सकता है यदि अनुशंसितधारी ने—

(क) नवीकरण के लिए आवेदन, अनुशंसित की समाप्ति की तारीख से कम से कम दो मास पूर्व दिया है;

(ख) अपनी अनुशंसित की समाप्ति से पूर्ववर्ती दो वर्ष के दौरान अपने केन्द्र का सक्रिय रूप से प्रचलन किया है और इस आशय का वस्तविक प्रमाण प्रिया है।

स्पष्टीकरण.—इन छह में, 'सक्रिय रूप से प्रचलित किया है' से प्रक्रियता है कि अनुशंसितधारी ने अन्य प्रेयानुशीली रेडियो केन्द्रों के साथ कम से कम 100 अवसरों पर संचार किया है; और लघु-तरंग श्रोता प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुशंसित की दशा में कम से कम 100 अवसरों पर प्रेयानुशीली रेडियो केन्द्र की अनुशंसित किया है।

(ग) अनुशंसित की समाप्ति की तारीख से पूर्ववर्ती दो वर्ष के दौरान इन नियमों के उपबन्धों और अनुशंसित की शर्तों के अनुसार, अनुशंसित प्रेयानुशीली केन्द्र की स्थापित, अनुरक्षित और चालित किया है।

(घ) निम्नलिखित मापदण्ड पर फीस का संदाय करता है, प्रथातः—

अनुशंसित का प्रवर्ग	फीस
उच्च प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुशंसित	50 रु०
प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुशंसित, श्रेणी-1	40 रु०
प्रेयानुशीली बेतार केन्द्र अनुशंसित, श्रेणी-2	25 रु०
लघु-तरंग श्रोता प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुशंसित	25 रु०

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई अनुशंसित के नवीकरण को दर्शित करने वाली वस्तवावेज, उस अनुशंसित के साथ रखी जाएगी जिसके प्रति वह निर्दिष्ट है।

(3) केन्द्रीय सरकार के लिए यह सूचना बेता वाचकारी नहीं हीगा कि अनुशंसित के नवीकरण का समय भा गया है।

15. विलम्ब से किए गए नवीकरण के लिए अधिभार—यह अनुशंसित, जो अपनी समाप्ति से पूर्व नवीकृत नहीं की गई है, स्वतः अधिगत हो जाएगी:

परन्तु यह नियम तब लागू नहीं होगा जब अनुशंसितधारी ने उसकी समाप्ति की तारीख के पश्चात् एक कैलेंडर मास के भीतर नियम 14 के उपनियम (1) का पालन किया हो और उस रूपए अधिभार दे दिया हो।

16. बेतार तार यांत्रिकी उपकरण के लिए रजिस्टर—प्रत्येक अनुशंसितधारी, प्रेयानुशीली केन्द्र में उसके द्वारा स्थापित, अनुरक्षित और चालित, सभी बेतार तार यांत्रिकी उपकरणों की वाचत, उपबन्ध 6 में दिए गए प्रवर्ष में एक रजिस्टर रखेगा।

17. प्रेयानुशीली केन्द्र का अवस्थान—प्रेयानुशीली केन्द्र का अवस्थान अनुशंसित में पृष्ठांकित अनुशंसितधारी के प्राथिक निवास स्थान के साथ अनुशंसित में विनिर्दिष्ट होगा और इस प्रकार नियत स्थान से ही चालित होगा:

परन्तु केन्द्रीय सरकार, उक्त अवस्थान में परिवर्तन किए जाने की घटना दे सकती है यदि अनुशंसितधारी, परिवर्तन के विवरण देते हुए उसके लिए लिखित रूप में आवेदन करे और अनुशंसित पृष्ठांकन के लिए प्रस्तुत करे तथा पांच रुपये फीस दे।

18. सुशास्त्र और जल प्रेयानुशीली केन्द्र—नियम 17 पर प्रतिकूल प्रभाव दाले बिना, केन्द्रीय सरकार, किसी नियत अवस्थान के लिए अनुशंसित प्रेयानुशीली केन्द्र के प्रतिरिक्ष प्रियोग अवसरों पर, जैसे कि प्रवर्षनियों और जम्बूरियों में, किसी विनिर्दिष्ट प्रवधि के लिए या रेडियो में विशिष्ट

तकनीकी जांच के लिए किसी मोटर यान पर लगाए गए सुआँ या चल केन्द्र के रूप में किसी प्रेयानुशीली केन्द्र वो स्थापित, अनुरक्षित और चालित करने के लिए विशेष प्राधिकरण जारी कर सकती है, यदि—

(i) ऐसे प्राधिकरण के लिए आवेदन पहले से ही दिया गया हो जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, विशिष्ट, अवधि, जिसके लिए प्राधिकरण अपेक्षित है, प्रेयोग की प्रकृति या अवसर के संबंध में व्यापी और प्रचलन का क्षेत्र विश्वास रखा हो;

(ii) आवेदक, उच्च प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुशंसित या प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुशंसित, श्रेणी-1 रखता हो,

(iii) आवेदक 20 रुपए की अतिरिक्त फीस दे दे:

परन्तु यह और कि विशेष प्राधिकरण, नियम 10 में विनिर्दिष्ट शर्तों के प्रतिरिक्ष, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर याचारधारित शर्तों के अधीन होगा। ऐसी शर्तों के अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित सम्मिलित होगी, प्रथातः—

(i) विशेष प्राधिकरण 90 दिन से प्रधिक की अवधि के लिए जारी नहीं किया जाएगा;

(ii) अनुशंसितधारी के नियत अवस्थान में प्रेयानुशीली केन्द्र और जल केन्द्र का एक दूसरे के साथ संचार नहीं होगा;

(iii) सुआँ या चल केन्द्र द्वारा प्रयोग में लाए जाने के लिए नियत अवस्थान में अनुशंसितधारी के प्रेयानुशीली केन्द्र को पहले से प्राधिकृत अभिज्ञान-चिह्न के साथ प्रत्येक 'एम-एस' जोड़ा जाएगा ऐसे अभिज्ञान-चिह्न के पश्चात् केन्द्र का अवस्थान रहेगा;

(iv) अनुशंसितधारी, सुआँ या चल केन्द्र की सहायता से संचालित परिकरणों के परिणाम, केन्द्रीय सरकार को, विशेष प्राधिकरण की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संसूचित करेगा;

(v) केन्द्रीय सरकार द्वारा किसी भी समय विशेष प्राधिकरण बायेस लिया जा सकता है या उसमें वीर्ग शर्तों में परिवर्तन किया जा सकता है।

19. पोत पर प्रेयानुशीली केन्द्र—(1) नियम 17 पर प्रतिकूल प्रभाव दाले बिना, केन्द्रीय सरकार आवेदन प्राप्त होने पर, भारत में रजिस्ट्रीकूल किसी पोत पर किसी प्रेयानुशीली केन्द्र की स्थापना, अनुरक्षण और चालन की प्राधिकृत कर सकती है। ऐसे प्राधिकरण के आवेदन के साथ सम्बद्ध पोत के मास्टर या स्वामियों को लिखित अनुमोदन भेजा जाएगा।

(2) पोतों पर प्रेयानुशीली केन्द्रों का स्थापन, अनुरक्षण और चालन नियम 10 के अधीन विनिर्दिष्ट शर्तों के साथ-साथ ऐसी अन्य विशेष शर्तों के अधीन होगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर अवधारित करें। ऐसी शर्तों में, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित भी सम्मिलित होगी, प्रथातः—

(i) पोत पर का प्रेयानुशीली केन्द्र के बास तभी प्रचलित किया जाएगा जब वह पोत अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र या भारतीय राज्य केन्द्रीय समुद्र में हो। किसी अन्य देश के राज्यक्रमीय समुद्र में इसका प्रचालन उस देश की विधियों और विनियमों के अधीन होगा;

(ii) जब तक कि पोत भारत के किसी बन्दरगाह में रहे उसे प्रचलित नहीं किया जाएगा;

(iii) ऐसे केन्द्रों को प्रावेदित अभिज्ञान-चिह्न में प्रत्येक 'एम-एस' लगा होगा, जिसके पश्चात् रेडियो टेलीफोन की वजा में पोतों का अभिज्ञान चिह्न या रेडियो टेलीफोन की दशा में पोत का सरकारी नाम रहेगा;

(iv) पोत पर का प्रेयानुशीली केन्द्र, पोत-रेडियो संचार, रेडियो नीवहन और अन्य सुरक्षा सेवा रेडियो उपस्कर पर आधित

नहीं होगा और ऐसी रीति से प्रचालित किया जाएगा कि पोत को उन सेवाओं में हानिकारक हस्तांशेप न हो। प्रेयानुशीली केन्द्र में वैधुत ऊर्जा का एक स्रोत होगा जो पोत केन्द्र से स्वतन्त्र रूप में होगा और वह विद्युत के मामले में भी इससे स्वतंत्र होगा;

(v) पोत पर का कोई प्रेयानुशीली केन्द्र, केन्द्रीय सरकार के किसी अधिकारी के, या पोत के मास्टर या रेडियो अधिकारी के या किसी स्थल केन्द्र के प्रमुखों पर, किसी भी समय प्रचालन बन्द कर देगा।

20. अनुशासित और अनुशासित के नवीकरण को दर्शित करने वाली वस्तावेजों का खो जाना और दूसरी प्रति का जारी किया जाना।—(1) वह अपेक्षित, जिसकी अनुशासित या अनुशासित के नवीकरण को दर्शित करने वाली वस्तावेज खो गई हो, कट-फट गई हो या नष्ट हो गई हो, केन्द्रीय सरकार को उसकी सूचना देगा। दूसरी प्रति के लिए इन नियमों के उपावध्य 7 में विहित प्रवण में एक आवेदन केन्द्रीय सरकार को किया जाएगा, जिसमें उस अनुशासित या नवीकरण को दर्शित करने वाली वस्तावेज के, जिसकी दूसरी प्रति धरेक्षित हैं, खो जाने, कट-फट जाने या नष्ट हो जाने संबंधी परिस्थितियों का उल्लेख होगा। यदि अनुशासित या नवीकरण को दर्शित करने वाली वस्तावेज खो गई हो तो आवेदक उन परिस्थितियों का उल्लेख अवश्य करेगा। जिनमें वह खोई हो और यह बताएगा कि उसके लिए सूचित रूप से तलाश की जा सकी है, और यह भी बताएगा कि यदि वह मिल जाएगी, तो या भूल या उसकी दूसरी प्रति रद्द कर दिए जाने के लिए लौटा दी जाएगी। कटी-फटी अनुशासित या नवीकरण को दर्शित करने वाली वस्तावेज जिसकी दूसरी प्रति धरेक्षित है, वह किए जाने के सिए आवेदन के साथ धरेक्षित की जानी चाहिए।

(2) केन्द्रीय सरकार किसी भी अनुशासित या नवीकरण को दर्शित करने वाली वस्तावेज की दूसरी प्रति जारी कर सकती है और तदर्थं निम्नलिखित प्रभार उत्पन्न किए जाएँगे:

(i) अनुशासित की दूसरी प्रति के लिए	10 रुपए
(ii) नवीकरण को दर्शित करने वाली वस्तावेज की दूसरी प्रति के लिए	5 रुपए

21. अनुशासित का प्रतिसंहृतण.—(1) केन्द्रीय सरकार, किसी भी समय अनुशासित को प्रतिसंहृत कर सकती है यदि—

- (i) उपावध्य 1 में अन्तर्विष्ट किसी शर्त को भंग किया गया हो;
- या
- (ii) इन नियमों के अधीन सदैह किसी फीस को देने में अविकल्प किया गया हो:

परन्तु, अनुशासित प्रतिसंहृत किए जाने से पूर्व, अनुशासितार्दारी को, जो जाने के लिए प्रस्थापित कारेवार्द के विशेष आव्यवेक्षन करने का युक्ति-मुक्त घबराह दिया जाएगा।

(2) अनुशासितार्दारी, उसकी अनुशासित के प्रतिसंहृतण से उद्भूत होने वाले किसी प्रतिकर का हक्कार नहीं होगा, और न ही अनुशासित के लिए संदर्भ फीस के किसी भाग का प्रतिरवाय उस प्रवधि के लिए किया जाएगा जिसके लिए वह प्रतिसंहृत रही थी।

22. अनुशासित का अन्तरण:—अनुशासित अस्तरणीय नहीं होगी: परन्तु केन्द्रीय सरकार, भारत में प्रेयानुशीली रेडियो सोसाइटी या कलब या विद्यालय, महाविद्यालय या संस्थान या विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकरण की अनुदत्त अनुशासित का अन्तरण, उसके उत्तराधिकारी, के पक्ष में करने की अनुमति देने सकती है यदि वह उत्तराधिकारी प्रेयानुशीली केन्द्र द्वारा परावण संचालित किए जाने के उपर्युक्त प्रबंध की अनुशासित धारण करता हो।

23. अनुशासित प्राप्त प्रेयानुशीली केन्द्र का प्रचालन:—अनुशासितार्दारी से विषय कोई व्यक्ति, अनुशासितप्राप्त प्रेयानुशीली केन्द्र का प्रचालन करने के लिए अनुदात नहीं होगा:

परन्तु—

(क) स्वयं अनुशासितार्दारी की उपस्थिति में, केन्द्र का प्रचालन, तुलनीय या उच्च वर्ग की विधिमाला अनुशासितारण करने वाले किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया जा सकेगा। किन्तु अनुशासितार्दारी, इन नियमों के अनुपालन के लिए उसी प्रकार जिम्मेदार होगा जैसे कि केन्द्र उसी के द्वारा प्रचालित हो।

(ख) भारत में किसी प्रेयानुशीली रेडियो सोसाइटी या कलब या विद्यालय के किसी प्राधिकरण की अधिकारी को जारी की गई अनुशासित की धशा में, केन्द्र का प्रचालन ऐसे व्यक्ति द्वारा हो, जो उस केन्द्र की समतुल्य या उससे उच्च प्रवर्ग की अनुशासित धारणा करता हो, केन्द्रीय सरकार की लिखित पूर्वानुमा से, किया जा सकता है; परन्तु यह तब जब कि अनुशासितार्दारी केन्द्र के प्रचालन के संबंध में उस व्यक्ति पर वैयक्तिक निगरानी रखे। अनुशासितार्दारी इन नियमों के अनुपालन के लिए उत्तरवायी होगा।

24. अनुशासित का प्रम्यर्णण:—ऐसी अनुशासित, जो प्रतिसंहृत कर दी गई है या अधिविमाला हो गई है और अनुशासितार्दारी उसका नवीकरण नहीं करता चाहता, केन्द्रीय सरकार को, एवंकरण और अधिनियम के लिए प्रम्यर्णित कर दी जाएगी।

25. दो अनुशासितीय धारण करना:—किसी भी व्यक्ति को एक समय पर एक से अधिक अनुदात नहीं की जाएगी:

परन्तु केन्द्रीय सरकार ऐसे व्यक्ति को, जो प्रेयानुशीली रेडियो सोसाइटी या कलब या विद्यालय, महाविद्यालय या संस्थान या विश्वविद्यालय के लिए अपने नाम में अनुशासित धारण करता है, इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

26. विदेशी राष्ट्रियों का परीक्षा में प्रवेश और अनुशासित का अनुवान:—(1) इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, केन्द्रीय सरकार ऐसी भारी और निकालनों के प्रयोग रहते हुए, जो वह समय-समय पर अधिरोपित करे किसी ऐसे व्यक्ति को, जो भारत का नागरिक नहीं है, किसी अनुशासित के अनुवान के लिए ली जाने वाली किसी परीक्षा में प्रवेश दे सकती या यदि वह अन्यथा सुशिद्ध है तो उसे अनुशासित अनुदात कर सकती।

(2) उपषारारा (1) के प्रधीन शर्तों में, अन्य बारों के साथ-साथ निम्नलिखित सम्मिलित होगी:

(i) वह देश जिसका कि आवेदक नागरिक है, भारतीय राष्ट्रियों को व्यक्तिगत सुविधाएं अनुदात करता है।

परन्तु यह उस देश में लागू नहीं होगा जहाँ केन्द्रीय सरकार यह समझे कि व्यक्तिगत सुविधाएं आवश्यक नहीं हैं;

(ii) आवेदक 18 वर्ष की आयु से अधिक का है;

(iii) आवेदक के, भारत में छहराने के सम्भावना आवेदन की तारीख एक वर्ष से कम के लिए नहीं है;

(iv) आवेदक, अपनी राष्ट्रियता वाले देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया और केन्द्रीय सरकार से मान्यताप्राप्त समुचित प्रबंध की प्रेयानुशीली केन्द्र द्वारा प्रचालित करता है;

(v) इन नियमों के अधीन अनुशृण्टि भारम्भ में एक घर्ष के लिए या दीमा की विविधान्यता की उस अवधि के लिए, जो आवेदक के पासपोर्ट में पृष्ठांकित हो, उनमें से जो भी कम हो, अनुदल की जाएगी।

27. इन नियमों के अनुयायी दशा में शास्ति :—इन नियमों को अनु फरने पर सिवाय उस अंग के, जो अधिनियम की धारा 20 मा 21 के अधीन अपराध है, जूमनि से दण्डनीय होगा, जो—

(i) जब वह व्यक्ति, अधिनियम के अधीन अनुज्ञाप्त हो तब, एक हजार रुपए तक का हो सकेगा और आँड़े रुपए आवेदन की दशा में प्रथम दिन के बाद प्रत्येक ऐसे दिन के लिए, जिसमें पूरे विन या उसके किसी भाग में अंग बना रहता है, वो सी रुपए के अतिरिक्त जूमनि तक हो सकेंगे;

(ii) जब इस प्रकार अनुज्ञाप्त व्यक्ति का कोई सेवक या कोई अन्य व्यक्ति अंग के लिए दण्डनीय हो तब, खंड (I) में विनिविष्ट रकमों के अनुरूप तक हो सकेगा।

28. नियमन और आवृत्ति :—(1) इन नियमों के प्रारंभ पर, भारतीय बेतार तार-व्यापिकी (प्रेयानुशीली सेवा), नियम 1958 प्रवृत्त नहीं रह जाएगा।

(2) ऐसे प्रवृत्त न रहने पर भी,—

(क) जहाँ ऐसे प्रारंभ के पूर्व किसी व्यक्ति ने प्रेयानुशीली केन्द्र प्रबलालक प्रभाणपत्र श्रेणी—1 या श्रेणी 2 परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वहाँ, ऐसे व्यक्ति से इन नियमों के अधीन किसी ऐसी परीक्षा को उत्तीर्ण करने की व्यवेक्षा नहीं की जाएगी।

(ख) जहाँ, ऐसे प्रारंभ के पूर्व, किसी व्यक्ति की प्रेयानुशीली बेतार तार-व्याप केन्द्र अनुज्ञाप्त श्रेणी—1 अनुवत्त को गई हो या ऐसी कोई अनुज्ञाप्ति नवीकृत की गई हो और वह अवधि, जिसके लिए ऐसी अनुज्ञाप्ति अनुवत्त या नवीकृत की गई थी, इन नियमों के प्रारंभ होने के बाव तक वही रहती है, जहाँ ऐसी अनुज्ञाप्ति, उस अनुज्ञाप्ति में विनिविष्ट व्यवधि तक प्रवृत्त वही रहती।

अनुरूप-1

(नियम 5 और 10 विविध)

प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र के संचालन की शर्तें

1. प्रेयानुशीली केन्द्र का उपयोग :—(1) प्रेयानुशीली केन्द्र का उपयोग रेडियो तकनीकी में धार्तम प्रशिक्षण अन्तर्राज्यालय और तकनीकी अन्वेषण के भाग के रूप में पूर्णतः व्यवधिक उद्देश्य से और बिना किसी आधिक हित के किया जाएगा।

परन्तु जब केन्द्र को किसी प्रेयानुशीली रेडियो सोसाइटी का कसब या किसी स्कूल, कालेज या संस्थान या विश्वविद्यालय के लिए अनुज्ञाप्त किया जाता है तब केन्द्र का उपयोग रेडियो संचार तकनीकी में, बिना किसी आधिक हित के, तकनीकी अन्वेषण और प्रशिक्षण तक सीमित रहेगा।

(2) केन्द्र का उपयोग, प्राधिकृत आवृत्ति बैंडों के भीतर केन्द्र के प्रबलालक को सुगम बनाने के लिए, मानक आवृत्ति सेवा में पारेषण प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए भी किया जा सकता है।

(3) इन नियमों में जैसा उपबन्धित है उसके सिवाए अनुज्ञाप्तिधारी, अनुज्ञाप्ति द्वारा प्राप्त होने वाली प्रसुविधाओं में भाग लेने के लिए किसी व्यक्ति को न तो कोई समनुवेशन करेगा, न उन्हें उपरद्देत पर देगा और न ही अप्यथा उनका व्यवहर करेगा।

2. संवेदन :—(1) (क) रेडियो संचार का प्रादान-प्रदान हासी प्रकार प्राधिकृत अन्य केन्द्रों के साथ किया जा सकता है। प्रेयानुशीली

केन्द्रों के लिए ऐसे देश के प्रेयानुशीली केन्द्रों के साथ संचार करने का नियम है जिनके प्रधानमंत्री ने ऐसे रेडियो संचार के प्रति अपने आपने अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार संघ को अधिसूचित कर दिए हैं।

(ख) पारेषण सरल भाषा में किए जाएंगे और परीक्षणों से संबंधित तकनीकी प्रकृति के संवेदनों और वैयक्तिक प्रकृति की टिप्पणियों तक (कारबार संबंधी कार्य या संव्यवहारों को छोड़कर) जिसमें अनुज्ञाप्तिधारी या वह व्यक्ति, जिसके साथ सम्पर्क हो रहा है प्रत्यक्षतः सम्बद्ध हो और जिसके सिए उनके महत्वहीन होने के कारण, लोक दूर संचार सेवा का उपयोग स्थायोंचित नहीं है, सीमित होते हैं।

(ग) व्यावधारी टोन या अन्य प्रावृत्ति स्पेक्ट्रम के भीतर के टानों के, जो या तो स्थिर हों या जिनकी प्रावृत्ति लगातार परिवर्तित हो रही है, पुनरुत्पादन के लिए विशेष अभिलेखन का उपयोग किया जा सकता है।

(2) अनुज्ञाप्तिधारी के लिए निम्नलिखित का पारेषण निषिद्ध है—

(क) संदेश जैसे प्रसारण कार्यक्रम का पुनः प्रसारण या टेप-रिकॉर्डर या मनोरंजन मूल्य बांगे या संगीत के पारेषण;

(ख) सुने या भ्रामक काल, या संकेत, समाचार, विज्ञापन, कारबार संचार, राजनीतिक या औद्योगिक विवाद के विषयों पर व्यक्तव्य।

(ग) फालतु संकेत या कोई ऐसा विषय जो अभद्र या अस्तील प्रकृति का हो या जो राजद्रोहात्मक हो या जो दूर्जन्तः भ्राकामक हो या ऐसा हो जिससे जाति, धर्म या समुदाय के संबंध में शक्ता उत्पन्न होती हो।

(घ) धन संबंधी नाम के लिए संवेदन या अन्य पक्षकार के लिए या उसकी ओर से कोई संदेश।

(3) खण्ड (क), उप-खण्ड (ख), उप-खण्ड (घ), उप-खण्ड (२) में किसी बात के होते हुए, भी अनुज्ञाप्तिधारी को प्रसामान्य दूरसंचार सुगमताओं के ब्रह्मफल हो जाने पर, प्राकृतिक संकट, जैसा धूकम्प, बाढ़, बबण्डर और व्यापक प्रभिनकाण्ड से संबंधित और सूक्ष्म सिलिस प्राधिकारी अर्थात् (क) जिला मजिस्ट्रेट या उप-प्रावृत्ति या जिला कलकटारों; और (ख) उपरोक्त (क) में उल्लिखित प्राधिकारियों द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य प्राधिकारी को सम्बोधित अन्य पक्षकारों के संवेदनों के प्रति कार्रवाई करने की अनुमति है। अनुज्ञाप्तिधारी ऐसे प्रयोजनों के लिए ऐसे प्रत्येक प्रवसर पर अपने प्रेयानुशीली केन्द्र का उपयोग किए जाने की सूचना अनुज्ञापन प्राधिकारी को पत्र द्वारा देगा।

3. आवृत्ति, उत्सर्जन और वापसी :—प्रेयानुशीली केन्द्र, उन आवृत्तियों पर, जो नियम 13 के धार्यों अनुज्ञाप्तियों के अपने प्रवर्ती के लिए प्राधिकृत आवृत्ति बैंडों के भीतर हैं, और उत्सर्जन और वापसी के ऐसे बर्गों, जो उक्त नियम में विनिविष्ट से अनुचित हैं, प्राकृतिकता किया जाएगा।

4. आवृत्ति नियंत्रण और मापदंश :—(1) पारेषण साधित को, यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी ऊर्जा को प्राधिकृत आवृत्ति बैंड की सीमाओं के बाहर किसी आवृत्ति पर विकिरित नहीं किया जाएगा, यथासंभव तभी रूप में चलाया जाएगा।

(2) अनुज्ञाप्तिधारी, अनुज्ञाप्त प्रेयानुशीली केन्द्र पर प्रेषिय की आवृत्ति के प्रत्येक बार परिवर्तित किए जाने और जब कभी पारेषण आवृत्ति की जांच करना आवश्यक हो तब, यह सत्यापित करने के लिए कि उत्सर्जन प्राधिकृत आवृत्ति बैंड के भीतर है, एक विश्वसनीय आवृत्ति मापदंश उपस्कर रखेगा। अनुज्ञाप्तिधारी आवृत्ति मापदंश उपस्कर की शुद्धता बनाए रखने के लिए, सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

5. अव्यवस्थापन :—(1) प्रेयानुशीली केन्द्र का डिजाइन, नियमिति, परिनियमण, उसकी अव्यवस्था और उसका संचालन इस प्रकार का होगा

कि काल्पनिक के उपबन्धों के प्रभुसार, भारत के भीतर या बाहर काम कर रही किसी बेतार वार सेवा या भारतीय भूमि, नौसैनिक या वायु सेवा के किसी अवल, भूमि या घन केन्द्र के बीच या ऐसे केन्द्रों और विवेश स्थित किसी केन्द्र के बीच के बेतार संकेत में कोई व्यक्तिकरण न हो :

परन्तु स्टेशन द्वारा किए गए सभी व्यक्तिकरण की दशा में अनुज्ञापितारी,—

- (क) केन्द्रीय सरकार ; या
- (ख) किसी भू-केन्द्र के प्रत्युतोष पर उपस्कर समायोजन होने तक पारेषणों को समाप्त या सीमित कर सकेगा ।
- (2) प्रनुज्ञापितारी यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक साधनों का प्रयोग करेगा कि विकरित आवृत्ति हार्मोनिक, की-किलोस, गुणन और अन्य प्रकार के हातिम उत्सर्जनों से मुक्त रहे ।
- (3) प्रनुज्ञापितारी यह सुनिश्चित करेगा कि पारेण प्रत्यक्षिक मार्गदर्शन नहीं है ।

6. लाग (रेडियो सेवा की डायरी) :—(1) प्रेयानुशीली केन्द्र से पारेषिताया वहाँ प्राप्त सभी पारेषणों का कालानुक्रमिक अभिनेत्र किसी जिल्ह वाली पुस्तक में (खुले पृष्ठों में नहीं) रखा जाएगा जिसमें निम्नलिखित दिक्षाए जाएंगे ।

- (क) प्रत्येक पारेण की तारीख और समय ;
- (ख) आवान-प्रवान की गई संसूचनाओं का संक्षिप्त विवरण ;
- (ग) किए गए प्रयोगों और परीक्षणों का संक्षिप्त विवरण ;
- (घ) केन्द्र का संज्ञा-चिह्न या वह केन्द्र जिसके साथ संवेशों का आवान-प्रवान किया गया है, प्रत्येक केन्द्र के साथ सम्पर्क स्थापित करने और समाप्त करने का समय तथा प्रत्येक मासमें प्रयुक्त उत्सर्जन की आवृत्ति और किस्म ;
- (ङ) प्रेयानुशीली केन्द्र को खोलने और बन्द करने का समय ;
- (च) बहनीय या चल प्रेयानुशीली केन्द्र की दशा में, अस्थायी भवस्थान की विशिष्टियाँ ।

(2) लाग के में सभी समय भारतीय मानक समय में लिखे जाएंगे ।
(3) लाग की प्रविष्टियों के बीच कोई रिक्त स्थान नहीं होगा और वे प्राप्ति और पारेण के समय लिखी और हस्ताक्षरित की जाएंगी ।

(4) यदि केन्द्र का प्रबालन प्रनुज्ञापितारी से मिश्र किसी व्यक्ति द्वारा किया जाता है (नियम 23 देखिए) तो प्रनुज्ञापितारी यह सुनिश्चित करेगा कि वही व्यक्ति लाग पर हस्ताक्षर करेगा और अपना नाम, संज्ञा-चिह्न और प्रनुज्ञापित-संदर्भ लिखेगा ।

(5) प्रनुज्ञापितारी लाग को नष्ट करने से पूर्व उसे, उसमें की गई अस्तिम प्रविष्टि की तारीख से एक वर्ष तक सुरक्षित रखेगा ;

परन्तु किसी भी लाग को उस अतिरिक्त अवधि तक नष्ट नहीं किया जाएगा जिसका निवेश केन्द्रीय सरकार दे ।

(6) लाग का प्रलृप इन गतों के साथ उपायद्वारा भारणी में विषयात्मक गया है ।

7. बेतार-तार साधित : (1) प्रेयानुशीली केन्द्र पर अभिग्रहण और पारेण के लिए उपकरण जुटाए जाएंगे, सिवाय लघु तरंग श्रवणक प्रेयानुशीली प्रनुज्ञापित की दशा में जबकि बोल अभिग्रहण के लिए उपकरण जुटाए जाएंगे ।

(2) बेतार-तार साधित और प्रनुज्ञापितारी द्वारा उपयोग में लाए गए या लाए जाने के लिए आवश्यनित अन्य सहायक उपकरण की इस प्रकार

व्यवस्था की जाएगी जिससे प्रनुज्ञापितारी या अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा बतारे में न पड़े ।

(3) बेतार-तार साधित सुरक्षित दशा में और ऐसी रीति से रखे जाएंगे कि अप्राधिकृत व्यक्ति उन तक न पहुंच सकें ।

(4) प्रेषित इस टाइप का होगा कि उसकी आवृत्ति-स्थिरता की बुलना किस्टल नियन्त्रण टाइप से की जा सके ।

(5) मानक शुद्धता के मीटर प्रेषित के अन्तिम रेडियो आवृत्ति स्टेशन के ऐनोड परियथ में बी० सी० विद्युत निवेश की माप करने के लिए लगाए जाएंगे ।

(6) उपयोग में लाए गए या लाए जाने के लिए आवश्यित एरियल को इस प्रकार छढ़ा किया लगाया या रखा जाएगा कि वह किसी विद्युत तार या टेलीफोन लाइन को कास न करे या उसके ऊपर न गिरे । यदि अपेक्षा की जाए तो प्रनुज्ञापितारी, एरियल के टूटने की दशा में नुकसान को रोकने के लिए, संबंध स्वामी या स्वामियों के समाधान प्रब रूप में आवश्यक कार्यवाही करेगा । एरियल संस्थान से वायुयानों की उड़ान को बतारा नहीं होना चाहिए और उनकी ऊचाई समय-समय पर भारत में सिविल विमान के महानिवेशक द्वारा विनिर्विद्ध सीमाओं के भीतर होनी चाहिए । प्रनुज्ञापितारी, यदि उसे ऐसा निवेश विद्या जाए तो, बीकन लाइन लगाएगा और उन्हें जलता रखेगा और अपने छंचे पर केन्द्र के भास्ट को पेट करेगा ।

8. प्रवाचार की गोपनीयता :—यदि ऐसा कोई संदेश प्राप्त होता है जिसे प्राप्त करने का प्रनुज्ञापितारी इकदार नहीं है, तो प्रनुज्ञापितारी उसका विषय, मूल प्राप्ति स्थान या गंतव्य स्थान, उसका अस्तित्व काल, या उसे प्राप्त करने का तथ्य (केन्द्रीय सरकार के सम्बन्ध रूप से प्राधिकृत प्रधिकारी या सक्षम विधि अधिकरण से भिन्न) किसी व्यक्ति को नहीं बताएगा और ऐसे संवेश को लिखित रूप में न तो रखेगा और न उसकी प्रतिलिपि तैयार करेगा और न उसका कोई और उपयोग ही करेगा, और न ही इनमें से कोई बात करने देगा ।

9. (1) सामान्य रेडियो टेलीग्राफ और रेडियो टेलीफोन प्रक्रिया :

(क) पारेण से पूर्व केन्द्र यह सुनिश्चित करने के लिए पूर्वावधानियाँ बताते हैं कि उसके उत्सर्जन पहले से जल रहे पारेषणों में हस्तक्षेप नहीं करें । यदि ऐसे हस्तक्षेप की संभावना हो तो पारेण तब तक प्रारम्भ न नहीं किया जाएगा जब तक जल रहे संचार में समुचित ब्रेक न हो गया हो ।

(ख) प्रनुज्ञापित में पृष्ठाकृत संज्ञा चिह्न न पारेण की प्रत्येक अवधि के प्रारम्भ और अन्त में पहचान के लिये भेजे जाएंगे । जब पारेण की अवधि 10 मिनट से अधिक हो तब संज्ञा चिह्न न तुहराए जाएंगे । प्रनुज्ञापितारी विना पहचान के या गतत पहचान के साथ पारेण नहीं करेगा ।

(ग) सभी कालों और पारेषणों से बचा जाएगा ।

(घ) जब संज्ञा चिह्न, कुछ भद्रों, कठिन शब्दों संक्षेपाकारों, अंशों आदि का उच्चारण आवश्यक हो तब कन्वेशन में वी त्रृप्ति छवि वर्णमाला और कोड अंक का प्रयोग किया जाएगा ।

(2) काल और उत्तर प्रक्रिया : (क) काल में निम्नलिखित होंगे : काल किये गए स्टेशन का संज्ञा-चिह्न, तीन बार से अधिक नहीं;

—शब्द ओ० ई० (रेडियो टेलीग्राफी की दशा में) और शब्द “यह आई एस” (रेडियो टेलीफोनी की दशा में)

—काल करने वाले स्टेशन का संज्ञा-चिह्न, तीन बार से अधिक नहीं ।

(क) काल के उत्तर में निम्नलिखित होंगे :—

- काल करने वाले स्टेशन का संज्ञानिक, तीन बार से अधिक नहीं
- शब्द, दी० ई०, (रेडियो टेलीग्राफी की दशा में) और शब्द “यह आई एस” (रेडियो टेलीफोनी की दशा में)
- काल किए गए स्टेशन का संज्ञानिक, तीन बार से अधिक नहीं।

(ग) मिनट के अन्तरालों पर काल तीन बार भेजी जाएँगी, तत्पश्चात् 10 मिनट के अन्तराल सक उसे नहीं बुहराया जाएगा जिसके दौरान आपरेटर उस प्रावृति बैड पर सुनेगा जिसमें काल की गई थी।

(घ) सभी केन्द्रों को किए गए साधारण काल की दशा में, कालिंग प्रक्रिया में काल किए गए स्टेशन के संज्ञानिक के स्थान पर, ‘सी क्यू’ (रेडियो टेलीग्राफी की दशा में) संकेत और ‘हालो सभी स्टेशन’ शब्द या संकेत ‘सी क्यू’ (रेडियो टेलीफोनी की दशा में) का प्रयोग किया जाएगा।

(3) पारेषण की समाप्ति और कार्य :—किसी संवेष का पारेषण, (रेडियो टेलीग्राफी की दशा में) सिगनल ए प्रारंभार और (रेडियो टेलीफोनी की दशा में) शब्द ‘प्रोवर’ द्वारा समाप्त किया जाएगा।

(ब) दो स्टेशनों के बीच कार्य की समाप्ति, प्रत्येक स्टेशन द्वारा, (रेडियो टेलीग्राफी की दशा में) सिगनल बी ए और रेडियो टेलीफोनी की दशा में शब्द ‘आउट’ या विकेटर आस्टका के रूप में बोले जाने वाले बी ए द्वारा उपदर्शित की जाएगी।

(4) परीक्षण :—(क) जब किसी प्रेषित या अभिग्राही के समायोजन के लिए या किसी प्रयोग के लिए परीक्षण सिगनल करना आवश्यक हो तब ऐसे सिगनल 30 सेकेन्ड से अधिक के लिए जारी नहीं रखे जाएंगे और वे शुरुआती ए और तत्पश्चात् परीक्षण सिगनलों को उत्संजित करने वाले स्टेशन के संज्ञानिकों से छने होंगे। रेडियो टेलीफोनी की दशा में शुरुआती बी बी के स्थान पर इनक 1, 2, 3, 4 रखे जाएंगे जो अंक कोड में बोले जाएंगे।

(ख) 30 सेकेन्ड से अधिक के परीक्षणों के लिए एक हातिम एरिअल का उपयोग किया जाएगा।

(ग) बाह्य तरंग का उत्सर्जन तब तक नियंत्रित है जब तक कि ऐसी तरंग सुखोष्य या माझूलन के अन्तर्गत न की जाए।

10. नियंत्रण :—(1) केन्द्रीय सरकार द्वारा इस नियमित लिखित रूप में अधिकृत कोई भी अधिकारी, हर उपर्युक्त समय पर, नियंत्रण के प्रयोजन

के लिए स्वयं या अन्य किसी व्यक्तियों के साथ भिसकर केन्द्र में प्रवेश कर सकेगा और केन्द्र में लगाए गए या लगाए जा रहे किसी नियंत्रण का नियंत्रण, परीक्षण या उसकी परीक्षा कर सकेगा। अनुशृण्णि-धारी ऐसे नियंत्रणों और परीक्षणों को करने के लिए सभी सुविधाएं देगा और नियंत्रण अधिकारी की परीक्षा के लिए अनुशृण्णि, स्टेशन लाग या अन्य अभिलेखों को उपलब्ध कराएगा।

(2) अनुशृण्णिधारी, केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसा करने के लिए कहे जाने पर, उस सरकार की परीक्षा के लिए अनुशृण्णि, साग-पुस्तक का, या अन्य कोई अभिलेख या आंकड़े प्रस्तुत करने की व्यवस्था करेगा।

11. प्रेयानुशीली केन्द्र पर कब्जा करने और संदेशों को प्रवरुद्ध करने का प्रावेश देने की शर्त :—(1) सार्वजनिक आपात काल के होने पर या लोक सुरक्षा के हित में, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा इस नियमित विशेष रूप से प्राधिकृत कोई अधिकारी अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना आवश्यक और समीची है, प्रेयानुशीली केन्द्रों पर (उन्नेस समय के लिए जिसने समय सार्वजनिक आपात काल विद्यमान रहा है या लोक सुरक्षा के हित में ऐसी कार्रवाही करना अपेक्षित है) अस्थायी रूप से कब्जा कर सकता है।

(2) सार्वजनिक आपात काल के होने पर या लोक सुरक्षा के हित में केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार द्वारा इस नियमित विशेषतः प्राधिकृत कोई अधिकारी अपना यह समाधान हो जाने पर कि भारत की प्रभुता और आदर्शता के हित में राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैली संबंधों, या लोक शांति, या किसी अपराध के उद्दीपन के निवारण के लिए ऐसा करना आवश्यक या समीची है, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखदाता करके, प्रावेश द्वारा यह नियमित कर सकता है कि किसी विशिष्ट विषय से संबंधित कोई संदेश या संवेषों के बांग को परेषित या अभिगृहीत नहीं किया जाएगा या केन्द्र द्वारा उसे रोक दिया जाएगा, या प्रावेश करने वाली सरकार या प्रावेश में उल्लिखित उसके अधिकारी को प्रकट किया जाएगा।

(3) अनुशृण्णिधारी इस शर्त की उप-शर्त (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शर्तों का प्रयोग करने के लिए किसी प्रतिक्रिया का हक्कवार नहीं होगा।

12. अनुशृण्णिधारी ऐसी सभी कार्रवाहीयों, दावों और मार्गों के लिए, जो किसी व्यक्ति, नियमित निकाय या कम्पनी द्वारा लाई या की जाए, अनुशृण्णि द्वारा अनुशृण्णि या अनुशृण्णि किसी कार्य से उत्पन्न होने वाली किसी क्षति के लिए केन्द्रीय सरकार की अतिरिक्त करेगा।

13. भारतीय बेतार-तार यांत्रिकी (प्रेयानुशीली सेवा) नियम, 1978 की एक प्रति प्रेयानुशीली केन्द्र में रखी जाएगी।

[गत 6 (6) ऐविए]

लाग के प्रकार का नमूना

संपर्क की	तारीख	समय	प्रनिम प्रकाम पर	केन्द्र	स्टेशन ने सुना या काम किया
क्रम संख्या			आद्यति, उत्सर्जन की	की गई काल	प्रारंभ एस दी
			किसी तथा विद्युत के	
			निवेश	द्वारा की गई	काम

एक ई एफ

प्राप्त स्पीटों	क्यू एस और	अभिलेख प्रयोग और	क्यू एस एल	कार्य	लघु इस्तकार
प्रारंभ एस दी	समाप्त करने का	परीक्षण संचार का	संक्षेप	एस	प्रारंभ

भारत में प्रेयानुशीली बेतार-न्याय केन्द्र को स्थापित, अनुरक्षित और वालित करने की अनुशासित के लिए व्यक्ति से प्रावेदन
(नियम 8 और 9 देखिए)

1. नाम	(अस्तित्व नाम)	(प्रथम)	(मध्यम)
2. पिता का नाम.....	भीर पता.....		
3. पता (बर्तमान).....			
4. पता (स्थायी).....			
5. जन्म की तारीख	जन्म स्थान	राशिफलता	व्यवसाय

6. (क) उस अनुशासित का प्रवर्ग जिसके लिए प्रावेदन किया गया है। (ख) केन्द्र का ठीक ठीक घबराया

7. क्या आपके पास रेडियो टारंग प्रचालक का प्रमाणपत्र है? यदि है तो उसकी विविधियाँ

प्रमाण पत्र का नाम	सं०	जारी करने की तारीख
8. प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक परीक्षा की विविधियाँ		
नाम	केन्द्र	परीक्षा का नाम

9. उपयोग किए जाने वाले साधिकारों की विविधियाँ:

साधिका	विनिर्माता का नाम	प्रकार सं०	प्रावृति रेंज	प्रार० एफ० विद्युत उत्पादन
प्रेयिका				

अधिग्राही

आवृत्ति
मापक
युक्ति

10. क्या आप किसी प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक परीक्षा में बैठे हैं? यदि हाँ तो परीक्षा की तारीख लिखें। हाँ/नहीं

घोषणा

मैं सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ कि पूर्वोक्त तथ्य सत्य और सही है और उसमें कोई बात मिथ्या नहीं है और कोई भी तात्त्विक बात छिपाई नहीं गई है। मैं इस बात से भी सहमत हूँ कि यदि इसमें इससे पूर्व मेरे द्वारा वी गई कोई सूचना बाद में कभी मिथ्या पाई जाए तो अनुशासित, यदि अनुदत्त कर दी गई है तो, रद्द हो जाएगी।

मैं सत्यनिष्ठा से यह बताता हूँ कि मैं न तो प्रत्यक्ष रूप से और न परोक्ष रूप से किसी व्यक्ति को, तब के सिवाय जब मुझे ऐसा करने के लिए वैध रूप से प्राधिकृत किया गया हो या निवेशित किया गया हो, किसी संदेश का, जो मेरे द्वारा प्रचालित किसी बेतार साधिक से पारिषित या प्राप्त किया जाए या जो उस साधिक से प्रचालन के सम्बन्ध में मेरी जानकारी में आए, तात्पर्य नहीं बताऊंगा।

मैं भारतीय बेतार-न्याय (प्रेयानुशीली सेवा) नियम, 1978 के नियमों की व्यानपूर्वक पह और समझ लिया है और मैं उन पर बुझ रहे और अनुशासित की शर्तों का पालन करने का बच्चन बेतार हूँ। अनुशासित केन्द्र तक किसी भी समय किसी भी प्राधिकृत व्यक्ति को नहीं पहुँचाया जाएगा।

साक्षी के दस्तावेज़ :

नाम (मोटे अक्षरों में)

पता :

तारीख :

प्रावेदक के दस्तावेज़

नाम (मोटे अक्षरों में)

तारीख :

स्थान :

टिप्पणी :— 1. जन्म प्रमाणपत्र या स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र की एक अनुप्रेमाणित प्रति प्रावेदन के साथ अवश्य भगाई जानी चाहिए।

2. राशिफलता के समर्थन में एक प्रमाणपत्र विहित प्रकृत में, जो परिशिष्ट 3 में उपलब्ध है, सूचीबद्ध प्रधिकारियों में से किसी एक प्रधिकारी के सेकर सलग्न करें।

भारत में किसी प्रेयनुशीली रेडियो सोसाइटी या कलब या स्कूल या कालेज या किसी संस्थान या विश्वविद्यालय द्वारा प्रेयनुशीली बेतार-तार केन्द्र को स्थापित, प्रदूरक्षित और संचालित करने की अनुमति के लिए प्रावेदन
(नियम 6 विविहर)

1. प्रेयनुशीली रेडियो सोसाइटी/कलब/स्कूल/संस्थान आदि का नाम और पता

2. सोसाइटी/कलब/स्कूल आदि के उस प्राधिकृत कर्मचारी की विशिष्टियाँ जिसके पश्च में अनुमति दी गई हैं

नाम

पदाधिकार

जम्म की तारीख	अन्तम स्थान	राष्ट्रिकता	व्यवसाय
------------------	----------------	-------------	---------

3. (क) उस अनुमति का प्रबर्ग, जिसके लिए प्रावेदन किया गया है

(ख) केन्द्र का ठीक ठीक प्रवस्थान

4. प्राधिकृत कर्मचारी द्वारा धारित प्रेयनुशीली बेतार तार केन्द्र अनुमतियों की विशिष्टियाँ

अनुमति का प्रबर्ग

संख्या

जारी किए जाने की तारीख

5. प्रेयनुशीली रेडियो सोसाइटी या कलब, स्कूल आदि की विशिष्टियाँ

(क) यदि रजिस्ट्रीकृत है तो उसकी विशिष्टियाँ हैं

(ख) स्कूल, कालेज, या संस्थान की दशा में, उस बोर्ड या विश्वविद्यालय का नाम है, जिसके द्वारा वह मान्यता प्राप्त है।

(ग) उसके लक्ष्य और उद्देश्य संक्षेप में लिखें

(घ) यदि किसी रेडियो प्रेयनुशीली संगठन से सम्बद्ध है, तो उसकी विशिष्टियाँ हैं

(ङ) पदाधिकारियों के नाम हैं

(घ) केन्द्र के प्रबोधन का ढंग, जिसमें उसके कार्य के सामान्य घटे भी सम्मिलित हैं

6. उपयोग किए जाने वाले साधिकारों की विशिष्टियाँ

साधिकारों के प्रबर्ग

विनियमिता का नाम

प्रकार सं०

आवृत्ति रेंज

आर०एफ० विद्युत उत्पादन

प्रेषित

प्रभिन्नता

प्राप्ति

मापन

यूक्ति

धीरणा

मैं सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ कि पूर्वोक्त सत्य सत्य और सही हैं और उनमें कोई बात मिथ्या नहीं है और कोई भी तात्पर्क बात छिपाई नहीं गई है। मैं इस बात से भी सहमत हूँ कि यदि इसमें इससे पूर्वे मेरे द्वारा दी गई कोई सूचना बाद में कभी मिथ्या पाई जाए तो अनुज्ञाप्ति, यदि अनुदत्त कर दी गई हो तो, रद्द हो जाएगी।

मैं सत्यनिष्ठा से यह बयन और देता हूँ कि मैं न तो प्रत्यक्ष रूप से और न परोक्ष रूप से किसी व्यक्ति को, तब के सिवाय जब मूले ऐसा करने के लिए वैध रूप से प्राधिकृत किया गया हो या निर्देशित किया गया हो, किसी सदेश का, जो मेरे द्वारा प्रचालित किसी बेतार साधिक्ष से पारेषित या प्राप्त किया जाए या जो उक्त साधिक्ष से प्रचालन के सम्बन्ध में मेरी जानकारी में आए, तात्पर्य नहीं बताऊंगा।

मैं भारतीय बेतार-तार (प्रेयानुशीली सेवा) नियम, 1978 के नियमों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लिया है और मैं उन पर बुद्धि रहने और अनुज्ञाप्ति की शर्तों का पालन करने का बयन देता हूँ। अनुज्ञाप्ति केवल एक किसी भी समय किसी भी अप्राधिकृत व्यक्ति को नहीं पहुँचाया जाएगा।

साक्षी के हस्ताक्षर
नाम (मोटे फ़ॉर्म में)

प्राधिकृत के हस्ताक्षर
नाम (मोटे फ़ॉर्म में)
तारीख:
स्थान:

पता:

तारीख :

टिप्पण: 1. जन्म प्रभाणपत्र या स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र की एक अनुप्रमाणित प्रति आवेदन के साथ प्रवेश संगाई जानी चाहिए
 2. राष्ट्रिकता के समर्थन में एक प्रमाणपत्र विहित प्रलूप में जो परिशिष्ट 3 में विद्या गया है, सूचीबद्ध अधिकारियों में से किसी एक अधिकारी से लेकर संलग्न करें।
 3. नियमों और विनियमों या विद्यान की एक प्रति संलग्न करें।
 5. सुविंगत बैठक के कार्यवृत संलग्न करें।

अनुज्ञाप्ति सं०

उपाधन-4

संचार मंत्रालय

भारत में प्रयानुशीली बेतार-तार केन्द्र की स्थापना अनुरक्षण और उसे चलाने के लिये अनुज्ञाप्ति

केन्द्रीय सरकार, भारतीय बेतार तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की भारा 4 के प्राधिकार के प्रधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, परीक्षा द्वारा या अन्यथा यह समाधान हो जाने पर कि श्री..... के पास भारतीय बेतार-तार यात्रिकी (प्रेयानुशीली सेवा) नियम, 1978 के अधीन यथाविहित तकनीकी अनुज्ञाएं हैं, उन्हें जब यह अनुज्ञाप्ति अविधिमान्य हो जाए या जब तक ऐसी वस्तावेज द्वारा जिससे अनुज्ञाप्ति के नवीकरण का पता चलता हो इसे पुनः नवीकृत नहीं किया जाता..... तारीख को प्रारम्भ और को समाप्त होने वाली अवधि के लिए भी विस्तार से दिए बेतार-तार प्रेषण और अभिग्रहण केन्द्र की स्थापना, अनुरक्षण और उसे चलाने के लिए अनुज्ञाप्ति मंजूर करती है।

यह अनुज्ञाप्ति भारतीय बेतार तार यात्रिकी (प्रेयानुशीली सेवा) नियम, 1977 द्वारा शासित है।

केन्द्र की विशिष्टियाँ

प्रवस्थान : संज्ञा-विहृ

भारत सरकार के संचार मंत्रालय द्वारा जारी किया गया।

नई दिल्ली:

तारीख : उपनियायक बेतार सलाहकार
 की उपस्थिति में अनुज्ञाप्तिधारी द्वारा हस्ताक्षरित।
 तारीख :

उपाधन-5

प्राधिकृत प्रावृत्ति देखें, शक्ति और उत्सर्जन

(नियम 13 देखिए)

अनुज्ञाप्ति का प्रबंग

प्रावृत्ति देखें

उत्सर्जन

अधिकातम डी०सी० निवेश शक्ति

(क) प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुज्ञाप्ति श्रेणी-2	3890-3900 के एच-जेड 7000-7100 के एच-जेड 144-146 एम एच-जेड	ए 1 ए 1 (ए 3, ए 3ए, ए 3जे, एफ 3)	25 वाट्स 5
(ख) प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र अनुज्ञाप्ति श्रेणी-1	3890-3900 के एच-जेड 7000-7100 के एच-जेड 14000-14350 के एच-जेड 21000-21450 के एच-जेड 28000-9700 के एच-जेड 144-146 एम एच-जेड	(ए 1, ए 3, एफ 3, ए 3ए,) (ए 3जे, ए 3एच)	10 वाट्स —

(ग) उच्च प्रेयानुशीली बेतार तार केन्द्र भनुशित 3890-3900 के एच-जेड 7000-7100 के एच-जेड 14000-14350 के एच-जड 21000-21450 के एच-जेड 28000-29700 के एच-जेड 144-146 एम एच-जेड	ए 1, ए 3, ए 3 ए ए 3 जे, ए 3 एच एफ 1, एफ 2, एफ 3 ए 1, ए 2, ए 3, ए 3ए, ए 3जे, ए 3 एच, ए 4, ए 5, एफ 1, एफ 2, एफ 3, एफ 4	15 बाट्स सेक्ट्रीय प्रयोग के लिए 25 बाट्स और सीटलस प्रचालन के लिए 100 बाट्स
--	---	--

टिप्पणी : (1) श्रेणी 1 और भनुशित के उच्च प्रवर्ग के लिए ए-1 उत्सर्जन के लिए शक्ति 100 बाट तक सीमित रहेगी।

(2) ए-5, उत्सर्जन के लिए, पारेषण प्रेयानुशीली केन्द्र के स्टेन के संज्ञा-चिन्हस्थ स्थान और अन्य विशिष्टियों तक नियन्त्रित रहेंगे। वे विन्दु-प्रति-विन्दु परीक्षण पारेषण तक सीमित रहेंगे जिसमें 4 एम एच जड से अनधिक बैंड-चौड़ा सहित एक मानक अल्टलेस और क्रमबीक्षण का प्रयोग किया जाएगा।

(3) श्री०सी० निवेश शक्ति (i) वाष्ठ (वाल्वों) के एनोड परिपथ या (ii) एरियल को ऊर्जा देने वाली किसी भ्रान्तायुक्ति, को दी गई कुल विष्ट धारा शक्ति निवेश है।

(4) ए 3ए और ए 3जे एस एस बी उत्सर्जन के लिए, शक्ति रेखीय दण्डाओं के अधीन शिखर एनबेलप शक्ति द्वारा अवधारित की जाएगी और वह विनियोग श्री०सी० निवेश शक्ति के 2.667 गुने तक सीमित रहेगी।

(5) संथु तरंग प्रवणक प्रेयानुशीली केन्द्र की दशा में उसके धारकों को, प्रेयानुशीली सेवा को प्रारंभित सभी बैंडों का सुनने की भनुता है।

(6) प्रेयानुशीली बेतार तार-केन्द्र भनुशित श्रेणी 2 की दशा में प्रचालन यदि भनुशित धारक मौसै परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं होता है तो 144-146 एम एच बैंडों में रेडियो टेलीफोनी तक नियन्त्रित रहेगा।

उपाधिक 8

बेतार तार साधिक के लिए रजिस्टर

(नियम 16 वैधिक)

क्रम संख्या	साधिक की विशिष्टियाँ	उस व्यक्ति का नाम और पता जिससे प्राप्त प्राप्ति या असेंबल किए जाने की हुआ हो (भनुशितधारी द्वारा असेंबल हारीद किए जाने की दशा में स्वयं द्वारा नियमित लिखे)
विनिर्माण माइक्रो और दाइप	सेसिस संख्या	

क्रम की दशा में रसीद सं० वे और विनिर्माण की भनुशित सं० भी लिखें	उस व्यक्ति का नाम और पता जिसको बेतार या अन्तरित किया गया	विक्रय या अन्तरण की तारीख	क्रेता के नाम जारी की गई भनुशित की विशिष्टियाँ	टिप्पणियाँ
---	--	---------------------------	--	------------

प्रयोगशाला 7

भारत सरकार

संचार मंत्रालय

(बेतार भ्रायोजना तथा सम्बन्ध स्कॅन्डल)

प्रेयानुशील केन्द्र अनुज्ञापित की या अनुज्ञापित के नवीकरण को दर्शित करने वाली इस्तावेज की दूसरी प्रति जारी करने के लिये आवेदन का प्रक्रम।

1. आवेदक का पूरा नाम

(मोटे अक्षरों में)

2. पूरा स्थायी पता

3. प्रेयानुशीली केन्द्र अनुज्ञापित का अनुज्ञापित के नवीकरण को दर्शित करने वाली इस्तावेज की विशिष्टियाँ

अनुज्ञापित/अनु-	अनुज्ञापित का	जारी करने की	कोई अन्य
अनुज्ञापित के नवी-	प्रक्रमी	तारीख	विशिष्टियाँ
करण को दर्शित			
करने वाली			
इस्तावेज की			
रजिस्ट्रीकरण			
संख्या			

4. क्या अनुज्ञापित या अनुज्ञापित के नवीकरण को दर्शित करने वाली इस्तावेज को गई है या विकृत हो गई है या नष्ट हो गई है ?

5. क्या अनुज्ञापित या अनुज्ञापित के नवीकरण को दर्शित करने वाली इस्तावेज के लिए उचित जोग की गई है ?

मैं घोषणा करता हूँ कि मूल अनुज्ञापित या अनुज्ञापित के नवीकरण को प्रवर्णित करने वाली इस्तावेज के मिलने की वजा में मूल या दूसरी प्रति संचार मंत्रालय को जेज दी जाएगी।

केन्द्र
तारीख

आवेदक के हस्ताक्षर
वर्तमान पता

प्रेयानुशीली केन्द्र प्रबालक अनुज्ञापित देने के लिये परीक्षाओं के पाठ्यक्रम और विवरण :

1. परीक्षा के निम्नलिखित दो भाग होंगे :

भाग 1 : निखित परीक्षा

इसमें एक पर्चा होगा जिसके निम्नलिखित 2 लाइन होंगी—

खण्ड 1 : रेडियो सिद्धांत और व्यवहार।

ठिक्काना : दूरसंचार, या इलेक्ट्रॉनिक्स और वेद्युत संचार में उपाधि धारण करने वाले या केन्द्रीय सरकार द्वारा उपरोक्त उपाधियों के समतुल्य मान्यता प्राप्त उपाधि धारण करने वाले आवेदक को परीक्षा के खण्ड 1 में दीजाने से छूट दी जाएगी।

खण्ड 2 : प्रेयानुशीली केन्द्र के प्रबालन की साधा-रणतः केन्द्र के कार्यकलाप से सम्बन्धित राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय विनियम।

भाग 2 : मोर्स

(i) अभियहण (ii) प्रेस्प्र

2. विस्तृत पाठ्यक्रम :

2. 1 प्रेयानुशीली केन्द्र प्रबालक की श्रेणी 2 की परीक्षा :

भाग 1 निखित परीक्षा

(क) खण्ड 1 रेडियो सिद्धांत और व्यवहार

प्रारम्भिक, विद्युत और चुम्बकत्व : विद्युत चालकों और चौधकों का प्रारम्भिक सिद्धांत, मूलिंग, श्रीहम की विधि, श्रेणी में और समानान्तर रूप में प्रतिरोध, चालकता, विद्युत और ऊर्जा, उपयोग, स्वतः और प्राचीन अन्यौन्य प्रेरकत्व, परिपथों के अभियहण और प्रेयण में उपयोग में लाए जाने वाले प्रेरकों की किसी, धारिता, विभिन्न किसी के क्षेत्रिकों का निर्माण और श्रेणी और/या समानान्तर रूप में उनकी व्यवस्था।

प्रथावर्ती धाराओं का प्रारम्भिक सिद्धांत :

ज्योतिशील प्रस्तावर्ती महाका-शिखर तारकाणिक आर०एम०एस०, औसत मूल्य ; फेज प्रतिष्ठात, प्रतिबाधा, श्रेणी और समानान्तर परिपथ, जिनमें प्रतिरोध, प्रेरकत्व, धारिता हैं, विषुस-न्यूनक श्रेणी और समानान्तर परिपथों में अनुनाद युक्तिमत्त परिपथ, अव्य और रेडियो प्रावृत्तियों के लिए द्रासफार्मर।

तापायनिक वाल्व :

वाल्वों का निर्माण, तापायनिक उत्सर्जन, अभियानिक वक्र, डायोड, ट्रायोड और बहु-इलेक्ट्रोड वाल्व; दिल्ट-कारी, दोलिव, प्रब्रैक, संस्तूचक और आवृत्ति परिवर्तक के रूप में वाल्वों का उपयोग, पावर पैक, स्थायीकरण और स्मृदिंग तथा प्रारंभिक सिद्धांत और प्रथे चालक युक्तियों-डायोड और ट्रांजिस्टरों का निर्माण।

रेडियो अभियाही :

टी०भार०एफ० के सिद्धांत और प्रबालन तथा अतिसंकरण अभियाही, सी०डब्ल्यू० अभियहण, अभियाही प्रकृति, सुधारिता, वरण-भास्ता; तदरूपता, प्रासाद चैनेल और प्रतिबिस्त व्यवस्था ए०वी०सी० और स्कूच परिपथ; संकेत से शोर का अनुपात।

प्रेवित्र :

निम्न प्रकृति के प्रेवित्र के सिद्धांत और प्रबालन; क्रिस्टल दोलिव, दोलिवों का स्थायित्व।

रेडियो संचरण :

तरंगवैध्य, आवृत्ति, रेडियो तरंगों की प्रकृति और संचरण; भूमि और व्योंग तरंगें, लंबन अंतराल; केंद्रिय;

एरियल :

प्रेयण और अभियहण एरियलों की सामान्य किसीं।

आवृत्ति की माप :

आवृत्ति की माप और सावे आवृत्ति दीटरों का उपयोग।

(ब) खण्ड 2 : विनियम :

(क) (i) भारतीय बेतार-तार प्रालिकी नियम 1973,

(ii) भारतीय बेतार तार प्रालिकी (प्रेयानुशीली सेक्युरिटी नियम 1977 का ज्ञान।

(ख) निम्नलिखित पर विशेष थल देते हुए, प्रेयानुशीली केन्द्रों के प्रधालन से सम्बन्धित अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियमों का ज्ञान :

भव	रेडियो विनियम का उल्लंघन
उत्सर्जन का प्रवापिकान	104-110
आवृत्ति और तरंगवेद्य की नाम-पद्धति	112
प्रेयानुशीली सेवाओं का अनुष्ठेद 5	प्रावृत्ति आवृत्ति
प्रतिकरण की विशुद्ध अव्यु-	667-677
पाय	
व्यतिकरण और परीक्षण	693-703
केन्द्रों की पहचान	735-737
	743-772-773
संकेत और भावात्मक प्रेषण	1389-1396
	1477-1478, 1481,
	1483
प्रेयानुशीली केन्द्र	1580-1567
फोटोटिक प्रश्न	
और अंक कोड	परिशिष्ट 16

(ग) विश्व की मानक आवृत्ति और समय संकेत सेवा।

(घ) निम्नलिखित 'क्यू' कोड और शब्द-संकेतों के वही अर्थ हैं जो क्षेत्रेन में उन्हें समनुदिल हैं।

क्यू आर ए, क्यू आर जी, क्यू आर एच, क्यू आर ग्राइ, क्यू आर के, क्यू आर एल, क्यू आर एम, क्यू आर एन, क्यू आर क्यू, क्यू आर एस, क्यू आर टी, क्यू आर यू, क्यू आर बी, क्यू आर डब्ल्यू, क्यू आर एक्स, क्यू आर जेड, क्यू एस ए, क्यू एस बी, क्यू एस एल, क्यू एस बी, क्यू एस यू, क्यू एस बी, क्यू एस डब्ल्यू, क्यू एस एक्स, क्यू एस बाई क्यू एस एस बी, टी सी, क्यू टी एच, क्यू टी आर तथा क्यू यू एम।

शब्द संक्षेप ।

एए, ए बी, ए आर, ए एस, सी एक एम, सी एल, सी क्यू, बी ई, के, एन ग्राइ एल, सी के, ग्रार टी यू, बीए, डब्ल्यू ए, डब्ल्यू बी उपर्युक्त लिखित परीक्षा एक घंटे की होती है।

अधिकतम अंक 100 है और प्रभ्यर्थियों को उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक छंड में कम से कम 40 प्रतिशत और कुल मिलाकर 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होते।

भाग 2 मोर्स

(क) खण्ड 1 मोर्स प्राप्त करना (गति: 5 शब्द प्रति मिनट) इस परीक्षा में 125 प्रश्नों का सरल भाषा में एक लेखांक होता। पांच प्रश्नों का एक शब्द गिना जाएगा। प्रभ्यर्थियों से प्रेषण की जाती है कि वे लगातार पांच मिनट तक द्विशीर्षीयर हेल्फोन अभियाही से, हाथों से कुंजीपन करके या स्वचालित कुंजीयन द्वारा प्राप्तियो असिनेटर से अन्तर्राष्ट्रीय मोर्स कोड संकेतों की पांच शब्द प्रति मिनट की गति से ग्रहण करें। वास्तविक परीक्षण युग्म होने से पूर्व, चिह्नित गति पर एक संक्षिप्त प्रश्नास लेख भेजा जा सकता है। प्रत्येक परीक्षा में प्रभ्यर्थियों को एक से अधिक होने पर प्रभ्यर्थी को निरहित किया जा सकता।

करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी। परीक्षा में स्वाही या वेसिल से लिखा जा सकता। परन्तु नेष्ट सुवाच्य होना चाहिए। खराब लिखाई तथा शब्दों के ऊपर शब्द लिखने के कारण किसी भी प्रभ्यर्थी को निरहित किया जा सकता। गलियों की संख्या पांच से अधिक होने पर प्रभ्यर्थी को निरहित किया जा सकता।

(ख) खण्ड 2: मोर्स भेजना (गति: पांच शब्द प्रति मिनट) इस परीक्षा में 125 प्रश्नों का सरल भाषा में एक लेखांक होता। 5 प्रश्नों का एक शब्द गिना जाएगा। प्रभ्यर्थियों से प्रेषण की जाती है कि वे कम से कम 5 शब्द प्रति मिनट की गति से लगातार पांच मिनट तक एक साधारण कुंजी पर लेख भेजें। वास्तविक परीक्षा के पूर्व, प्रश्नास के लिए एक संक्षिप्त नेष्ट भेजने की अनुज्ञा दी जा सकती है। प्रभ्यर्थियों को परीक्षा में एक से अधिक बार प्रयत्न करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी। सभी गलियों को ठीक कर भेजने के प्रयत्न किए जाने चाहिए। पांच से अधिक प्रश्नासित गलियों होने पर प्रभ्यर्थी को निरहित कर दिया जाएगा। संकेत-न्यूनता, प्रश्नों का शीफ़-टीक बनाना और अंतरालों की शुद्धता को विचार में लिया जाएगा।

दिप्पण : प्रभ्यर्थी से भाग 1 और भाग 2 दोनों में उत्तीर्ण होना प्रभेक्षित है। केवल भाग 1 में अहित होने वाले प्रभ्यर्थियों की वाण में, अनुशंसित केवल रेडियो टेलीफोन प्रचालनों तक ही सीमित रहेंगी।

2.2 प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक श्रेणी-1 परीक्षा

भाग 1 लिखित परीक्षा:

इसका पाठ्यक्रम वही होगा जो प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक श्रेणी 2 परीक्षा का है। परीक्षा वी घंटे की होती है। इसमें अधिकतम अंक 100 है और उत्तीर्ण होने के लिए प्रभ्यर्थियों को प्रत्येक भाग में कम से कम 50 प्रतिशत और कुल मिलाकर 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करने चाहिए।

भाग 2 मोर्स :

(क) खण्ड 1 मोर्स प्राप्त करना (गति 12 शब्द प्रति मिनट)

इस परीक्षा में 300 प्रश्नों का सरल भाषा में एक लेखांक होता, जिसमें प्रश्नर, अंक और विराम चिह्न होते (विराम चिह्न नीचे उपर्युक्त होते) औसत शब्द 5 प्रश्नों का होता और प्रत्येक अंक और विराम को दो प्रश्नर गिना जाएगा। प्रभ्यर्थियों से प्रेषण की जाती है कि वे लगातार पांच मिनट तक 12 शब्द प्रति मिनट की गति से लेख प्राप्त करें। अन्य शर्तें वही हैं जो प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक श्रेणी-2 परीक्षा को लागू होती हैं।

दिप्पण : परीक्षा लेख में केवल निम्नलिखित विराम चिह्न होते :

पूर्ण विराम ; कमा ; सेर्पिकोलन, ब्रैक-साइन ; हाइफन और प्रश्न चिह्न।

(ख) खण्ड 2: मोर्स भेजना (गति 12 शब्द प्रति मिनट)

यह परीक्षा मोर्स प्राप्त करने की परीक्षा के समान ही होती है। प्रभ्यर्थियों से प्रेषण की जाती है कि वे लगातार पांच मिनट तक कम से कम 12 शब्द प्रति मिनट की गति से मोर्स भेजें। अन्य शर्तें वही हैं जो प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक श्रेणी-2 परीक्षा को लागू होती हैं।

दिप्पण : प्रभ्यर्थी से भाग 1 और भाग 2 को साथ उत्तीर्ण करना प्रभेक्षित है।

2.3 उच्च प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक परीक्षा

(क) भाग 1: लिखित परीक्षा

(ख) खण्ड 1 रेडियो सिद्धांत और व्यवहार :

प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक, श्रेणी-2 परीक्षा के लिए लिखित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत, निम्नलिखित भेद उच्च प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक, परीक्षा के पाठ्यक्रम में सम्मिलित की जाएगी:

- (1) मोटर और जनिन्द्र : प्रश्यावर्ती मोटरों और जनिन्द्रों के प्रारम्भिक सिद्धान्त और उनका निर्माण।
- (2) प्रश्यावर्ती धारा : ट्रांसफार्मरों का बनाना, ट्रांसफार्मर हानियाँ, ट्रांसफार्मर मैट्रिक्स युक्ति के रूप में।
- (3) भाषण उपकरण : चल कुड़ली और चल सोह-भीटर आवृत्ति मीटर।
- (4) प्रध्य आलक युक्तियाँ और ट्रांजिस्टर : आलन और निर्माण के प्रारम्भिक सिद्धान्त, संग्रहीक, अभिनव पद्धतियाँ।
- (5) विद्युत प्रदाय : अर्धतरंग और पूर्णतरंग रेक्टोफायर, लिंज रेक्टो-फायर, समतलन और विनियमन।
- (6) माइलन : आवृत्ति माइलन के सिद्धान्त।
- (7) प्रेषिन्ह और अभिग्राही : प्रतिकृति और टेलीविजन संकेतों के प्रेषण और अभिग्रहण के प्रारम्भिक सिद्धान्त सिग्नलिंसाइडबैंड लगाने वाले प्रेषिन्हों और अभिग्राहियों के प्रारम्भिक सिद्धान्त।
- (8) संचरण : आयनमंडल और उष्णकटिबंधी मंडल की विप्रिष्ठियाँ, विभिन्न परावर्ती परतों का युणाथम्, अनुकूलतम् कार्यकरण आवृत्ति, विन और रात्रि की आवृत्तियाँ।
- (9) एरियल : विकरण के सिद्धान्त, विभिन्न आवृत्ति केंद्रों के लिए एरियल जिसमें माइक्रो तरंग के लिए एरियल भी समिलित है।
- (10) अंतराल (स्पेस) संचार : सेटेलाइन की मार्फत संचार के प्रारम्भिक सिद्धान्त।

खण्ड 2 विनियम

पारद्यक्रम प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालन श्रेणी 1 परीक्षा के लिए विहित पारद्यक्रम जैसा है।

परीक्षा 3 घटे की होगी। प्रधिकलम अंक संक्षय 100 है और प्रध्ययियों को उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक खण्ड में कम से कम 50 प्रतिशत और कुल मिलाकर 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने चाहए।

भाग 2 से

पारद्यक्रम यही है जो प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक श्रेणी 1 परीक्षा के लिए विहित है।

हित्यण : प्रेयानुशीली केन्द्र प्रचालक श्रेणी 1 की अनुकृति के धारकों को परीक्षा के भाग 2 से छुट दे दी जाएगी।

परिशिष्ट 2

परीक्षाओं की अनुसूची

क्रम सं०	स्थान	परीक्षा का मास
1.	विल्ली, मुम्बई, कलकत्ता और प्रतिमास मद्रास	
2.	महामदाबाद, हैदराबाद, और नागपुर	जनवरी, मार्च, जून, अगस्त, अक्टूबर और दिसम्बर।
3.	मुजम्बेर, बंगलौर, दर्जिलिंग, गोवा, गोरखपुर, जालनश्वर, मंगलौर, शिलांग, राजीवी, श्रीनगर और ऐसे अन्य स्थान जहाँ संचार मंकालय के मामीटरिंग संगठन का कोई मानीटरिंग केन्द्र स्थित हो।	जनवरी, फ्रैंस, जुलाई, और प्रवृत्तवर।

परिशिष्ट 3

राजीवीयता प्रसारणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मैं श्री ————— के पुत्र श्री ————— को गत ————— वर्ष से जाता हूँ और मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार उनका चरित्र अच्छा है। उनकी राष्ट्रिकता ————— है। उनकी मुझ से कोई नातेवारी नहीं है।

हस्ताक्षर :

पदनाम :

मुझ :

पता

सारीख :

टिप्पणी : प्रमाणपत्र निम्नलिखित प्रधिकारियों में से किसी एक के द्वारा दिया जाना चाहिए :

1. केन्द्र या राज्य सरकार का राजपत्रित प्रधिकारी
2. संसद सकस्य या राज्य विधान मण्डल का सदस्य
3. उपर एवं मजिस्ट्रेट/प्रांधकारी
4. मजिस्ट्रेट की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत तहसीलदार या नायब/उप तहसीलदार।

[संख्या आर० 11013/3/75-एल० आर०]

राजेन्द्र कुमार कटार,
सहायक बेतार सलाहकार

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(WPC Wing)

New Delhi, the 25th October, 1978

G.S.R. 1499.—In exercise of the powers conferred by section 4 and section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules for the conduct of wireless telegraphs in the amateur service, established, maintained, and worked by persons licensed under the said Act.

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Indian Wireless Telegraphs (Amateur Service) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the 1st January, 1979.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) 'Act' means the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885);

(b) 'amateur service' means a service of self training, inter-communication and technical investigations carried on by amateurs that is, by persons duly authorised under these rules interested in radio technique solely with a personal aim and without pecuniary interest;

(c) 'amateur station', and 'station' shall have the meaning respectively assigned to them in the Convention;

(d) 'Convention' means the International Telecommunication Convention, Malaga-Torremolinos, 1973, for the time being in force and the Radio Regulations and the Additional Radio Regulations annexed thereto but does not include any portion of the said Convention or Regulations regarding which the Central Government makes any reservation;

(e) 'licence' means a licence granted under section 4 of the Act for an amateur wireless telegraphs station.

3. Necessity for licence.—No person shall establish, maintain and work an amateur wireless telegraph station except under and in accordance with the terms and conditions of an appropriate licence under these rules.

4. Categories of licence.—There shall be four categories of licences, namely:—

- (i) Advanced Amateur Wireless Telegraph Station Licence;
- (ii) Amateur Wireless Telegraph Station Licence Grade-I;
- (iii) Amateur Wireless Telegraph Station Licence, Grade-II;
- (iv) Short Wave Listeners' Amateur Wireless Telegraph Station Licence.

5. Eligibility for licence.—(1) A licence may be granted subject to such conditions contained in Annexure I to these rules,—

(i) to a person,—

- (a) who is a citizen of India;
- (b) who is not less than 18 years of age;
- (c) who, in case of Advanced Amateur Wireless Telegraph Station licence, has operated an Amateur station covered under Amateur Wireless Telegraph Station Licence, Grade II for at least three years or an Amateur Station covered under Amateur Wireless Telegraph Station Licence, Grade I for at least 2 years;
- (d) who is the holder of a certificate or who qualifies the examination specified below, namely:—

(A) in the case of an Advanced Amateur Wireless Telegraph Station Licence—

- (I) a Radio-communication Operators' General Certificate, or
- (II) a First or Second Class Radio-telegraph Operators' Certificate, or
- (III) the Advanced Amateur Station Operators' Examination;

(B) in the case of an Amateur Wireless Telegraph Station Licence Grade I—

- (I) One of the certificates specified for item (A), or
- (II) the Amateur Station Operators' Grade I examination;

(C) in the case of an Amateur Wireless Telegraph Station Licence Grade II—

- (I) One of the Certificates specified for item (B), or
- (II) Special Radiotelegraph Operators' Certificate, or
- (III) the Amateur Station Operators' Grade II Examination;
- (ii) to a bona-fide amateur radio society or club or a school, college, or an institution or a University in India, which have the aim of investigations in the field of radio or the training of persons in radio communication techniques;

Provided that the licence shall be issued in the name of an authorised official of the society or club or a school, college or an institute or a University in India holding a category of licence appropriate to the transmissions to be conducted by the proposed station.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-clause (b) of clause (i) of sub-rule (1), the Central Government may grant, to bona-fide experimenters between the ages of 16 and 18 years' Amateur Wireless Telegraph Station Licence, Grade I and to those between the ages of 14 and 18 Amateur Wireless Telegraph Station Licence, Grade II or Short Wave Listeners' Amateur Wireless Telegraph Station Licence :

Provided that the application for the grant of such licences shall be accompanied by a certificate from the head of the educational institution, recognised by a Board or University in India, attended by the applicant or from his legal guardian that the applicant is interested in and competent to conduct experiments in wireless telephony.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-clause (d) of clause (i) of sub-rule (1), the Central Government may recognize, subject to any conditions it may prescribe from time to time, such other radiotelegraph operators' certificates or Amateur Station Operators' Certificates as are issued by a competent authority in any other country as equivalent to qualifications referred to in sub-clause (d) of clause (i) of sub-rule (1) for the purpose of grant of a licence under these rules.

6. Application for licence.—An application for the grant of licence from—

(a) an individual,—

or

(b) an Amateur Radio Society or club or a school, college or an institute or a University in India, shall be made to the Central Government in Annexure II or Annexure III respectively to these rules, together with all the subsidiary forms and documents duly filled in and completed in all respects.

7. Eligibility for admission to amateur station Operators Examination.—No person shall be eligible for admission to an examination for the grant of licence unless :—

- (a) such a person fulfils the provisions contained in sub-clauses (a), (b) and (c) of clause (i), of sub-rule (1) of rule 5;
- (b) such person pays the fees on the following scale, namely :—
 - (i) Advanced Amateur Station Operators ExaminationRs. 25.00
 - (ii) Amateur Station Operators' Grade I ExaminationRs. 20.00
 - (iii) Amateur Station Operators' Grade II ExaminationRs. 10.00 &
- (c) a period of at least one month has elapsed since he last appeared in an examination and failed.

8. Examinations.—(1) The examinations* for the grant of a licence shall be held at a place** and on a date as may be notified by the Central Government from time to time.

(2) An application for licence in Annexure II or, as the case may be, in Annexure III to these rules shall be submitted not later than the 15th of the month preceding that in which it is desired to take the examination.

(3) Any person admitted to the examination and found guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be debarred either permanently or for a specified period from appearing in any of the examinations held for the award of licence under these rules :

Provided that no order under this sub-rule shall be made unless the person concerned has been given a reasonable opportunity or making a representation against the action proposed to be taken.

(4) If any person is found guilty of any malpractice referred to in sub-rule (3) after the grant of a licence to such person, the Central Government may, in addition to prosecuting him, cancel the licence so given :

Provided that the Central Government may, pending the cancellation of the licence, suspend or endorse such licence ;

Provided further that no order under this sub-rule shall be made unless the person concerned has been given a reasonable opportunity of making a representation against the action proposed to be taken.

NOTE : *The syllabi for the examination are printed as Appendix I.

**The schedule of examinations, normally conducted at various centres, is indicated in Appendix II.

9. Grant of licence.—Every category of licence shall be in the form set out in Annexure IV to these rules.

10. Observance of conditions of licence, Convention and rules under the Act.—(1) Every licensed amateur wireless telegraph station shall be established, maintained and worked in accordance with—

- (a) the conditions contained in Annexure I to these rules;
- (b) the provisions of the Convention;
- (c) the rules made by the Central Government under section 7 of the Act for the conduct of wireless telegraphs in so far as they are applicable.

(2) Notwithstanding sub-rule (1) the Central Government may modify, vary, cancel or revoke any of the conditions of licence contained in the said Annexure I at any time either by specific notice in writing to the licensee, or by means of a general notice published in the Official Gazette or in a newspaper published in New Delhi.

(3) The licensee shall at his own expense, give effect to any variations in the conditions of licence.

11. Period of validity.—A licence granted under these rules shall be issued for a period of two years commencing on the date of issue of the licence.

12. Fee for licence.—(1) A licence fee on the following scale shall be payable to the Central Government on receipt of instructions from that Government and in the manner directed by it :—

Category of licence	Fees in Rupees
(i) Advanced Amateur Wireless Telegraph Station Licence	... 50/-
(ii) Amateur Wireless Telegraph Station Licence, Grade I	... 40/-
(iii) Amateur Wireless Telegraph Station Licence, Grade II	... 25/-
(iv) Short Wave Listeners' Amateur Wireless Telegraph Station Licence	... 25/-

(2) No holder of a licence shall be entitled to a refund of fees paid therefor on the ground of his inability to establish or make use of the licensed amateur station.

13. Authorised frequency bands, power and emission.—A holder of licence shall use, as appropriate to the licence, such frequency bands, power and classes of emission as are set out in Annexure V of these rules.

Provided that the Central Government may by special or general order make changes in the usage of frequency bands, power and types of emission where that Government is satisfied that it is expedient to do so, keeping in view, among

others, the provisions of the Convention, need for enforcement of better technical standards in respect of equipment and national and international radio interference pattern.

14. Renewal of licence :—(1) On the expiry of the validity of a licence, it may be renewed for a period of two years if the licensee,—

(a) makes an application for renewal atleast two months before the date of expiry of the licence ;

(b) has actively operated his station during the past two years prior to the date of expiry of his licence and submits documentary proof to this effect.

Explanation :— In this clause 'actively operated' means that the licensee has communicated with other amateur radio stations on at least 100 occasions : and in case of short wave Listeners' Amateur Wireless Telegraph Station Licence has intercepted amateur radio stations on at least 100 occasions ;

(c) has established, maintained and worked the licensed amateur station in accordance with the provisions of these rules and the conditions of licence during two years preceding the date of expiry of licence ; and

(d) pays fees on the following scale, namely :—

Category of Licence	Fees in rupees
---------------------	----------------

(i) Advanced Amateur Wireless Telegraph Station Licence50
(ii) Amateur Wireless Telegraph Station Licence, Grade I40
(iii) Amateur Wireless Telegraph Station Licence, Grade II25
(iv) Short Wave Listeners' Amateur Wireless Telegraph Station Licence25

(2) The document showing the renewal of licence issued by the Central Government shall be kept along with the licence to which it refers.

(3) It shall not be obligatory for the Central Government to issue a notice that the licence is due for renewal.

15. Surcharge for late renewal :—A licence that is not renewed before its expiry shall automatically lapse :

Provided that this rule shall not apply if the licensee, within one calender month after the date of its expiry, complies the provision of sub-rule (1) of rule 14 and pays a surcharge of rupees ten.

16. Register for wireless telegraphy apparatus.—Every licensee shall maintain a register in respect of all wireless telegraphy apparatus established, maintained and worked by him at the amateur station in the form set out in Annexure VI of these rules.

17. Location of Amateur Station :—The location of the amateur station shall be specified in the licence alongwith the usual residence of the licensee endorsed there-in and it shall be operated only from the place so fixed.

Provided that the Central Government may, permit the change of location if the licensee applies for it in writing giving particulars of the change and submits the licence for endorsement, and pays a fee of rupees five.

18. Portable and mobile amateur station :—Without prejudice to rule 17, the Central Government may in addition to an amateur station licensed for a specified location issue a special authorisation to establish, maintain and work an amateur station as a portable station or a mobile station fixed on board a motor vehicle for a specific period in special occasions like exhibitions and jamboorles or for specific technical investigations in radio if—

(i) application for such authorisation is made well in advance indicating, among others, the specific period for which the authorisation is required, nature of investigations or details in regard to occasion as the case may be, and area of operation ;

(ii) the applicant holds an Advanced Amateur Wireless Telegraph Station Licence or an Amateur Wireless Telegraph Station Licence Grade I;

(iii) the applicant pays an additional fee of Rs. 20.

Provided that the special authorisation shall, in addition to the conditions specified in rule 10, be subject to such other conditions as the Central Government may determine from time to time and such conditions, among others, shall include the following, namely :—

(i) The special authorisation shall not be issued for a period of more than 90 days.

(ii) The licensee's amateur station at the fixed location and the mobile station shall not communicate with each others ;

(iii) The suffix '/MO' shall be added to the callsign already authorised to the licensee's amateur station at the fixed location for use by the portable or mobile station. Such callsign shall be followed by the location of the station.

(iv) The licensee shall communicate the result of tests conducted by the help of portable or mobile station to the Central Government within 15 days of the expiry of the special authorisation.

(v) The special authorisation may be withdrawn or the conditions contained therein varied, at any time by the Central Government.

19. Amateur Station on board ship :— (1) Without prejudice to rule 17, the Central Government may on receipt of an application authorise establishment, maintenance and working of an amateur station on board a ship registered in India. Applications for such authorisation shall be accompanied by a written approval of the master or owners of the ship concerned.

(2) The establishment, maintenance and working of amateur stations on board ships shall, in addition to the conditions specified under rule 10, be subject to such other conditions as the Central Government may determine from time to time and such conditions, among others, shall include the following, namely :—

(i) The amateur station on board ship shall be operated only while the ship is in International waters or Indian territorial waters. Its operation within the territorial waters of another country shall be in conformity with laws and regulations of the country concerned.

(ii) It shall not be operated whilst the ship is in any harbour in India.

(iii) The callsign allotted to such stations shall have suffix '/MS' followed by the callsign of the ships in case of radiotelegraphy or the official name of the ship in case of radiotelephony.

(iv) The amateur station on board a ship shall be independent of ship radio communication, radio navigation and other safety services radio equipment and shall be operated in such a manner as not to cause harmful interference to these services of the ship. The amateur station shall have source of electrical energy independent of the ship station and shall also be electrically independent of it.

(v) The amateur station on board a ship shall discontinue operation at any time on request of an officer of the Central Government, the Master or Radio Officer of the ship or any land station.

20. Loss and Issue of Duplicate of Licence and Document showing the Renewal of Licence :— (1) A person whose Licence or the document showing the renewal of licence has been lost, mutilated or destroyed shall notify the same to the Central Government. An application in Annexure VII of these rules for the duplicate shall be made to the Central Government embodying a statement of the circumstances involved in the loss, mutilation or destruction of the licence or the document showing the renewal of licence for which a duplicate is required. If the licence or the document showing the renewal of licence has been lost, the applicant must state the circumstances in which

it was lost and that reasonable search has been made for it, and further that in the event it be found, either the original or the duplicate shall be returned for cancellation. The mutilated licence or the document showing the renewal of licence for which the duplicate is required should be forwarded alongwith the application for cancellation.

(2) The Central Government may issue duplicate copy of any licence or the document showing the renewal of the licence and the following charges shall be levied for such issue—

(i) For duplicate of licence...Rs. 10

(ii) For duplicate of the document showing the renewal of licence...Rs. 5

21. Revocation of licence :—(1) The Central Government may, at any time, revoke the licence—

(i) On the breach of any of the conditions of licence contained in Annexure I; or

(ii) In default of payment of any fees payable under these rules :

Provided that, before revoking a licence, the licensee shall be given a reasonable opportunity of making a representation against the action proposed to be taken.

(2) The licensee shall not be entitled to any compensation arising out of revocation of his licence nor will any part of the fees paid for the licence shall be refunded for the period a licence stands revoked.

22. Transfer of licence :—A licence shall not be transferable :

Provided that the Central Government may permit the transfer of a licence granted to an authorised official of an amateur radio society or club or a school, college or an institute or a University in India in favour of his successor if such successor holds a category of licence appropriate to the transmissions to be conducted by the amateur station.

23. Operation of licensed amateur station :—No person other than the licensee shall be permitted to operate the licensed amateur station :

Provided that—

(a) in the presence of the licensee himself, the station may be operated by an other person holding a valid licence of comparable or higher category. The licensee, however, shall be personally responsible for the observance of these rules as if the station is operated by him.

(b) in case of licence issued to an authorised official of an amateur radio society or club or a school, college, or an institution or a University in India, the station may also be operated by a person who holds a licence of equivalent or higher category with the prior permission of the Central Government in writing; if the licensee keeps personal surveillance over the operation of the station. The licensee shall be responsible for the observance of these rules.

24. Surrender of licence :—A licence which is revoked or which has become invalid and licensee does not desire to renew it shall be surrendered to the Central Government for cancellation and record.

25. Dual holding of licence :—No person shall be granted more than one licence at the same time :

Provided that the Central Government may exempt a person, holding a licence in his name for amateur radio society or a school, college or an institute or a university in India, from the operation of this rule.

26. Admission of foreign nationals to examination and grant of licence :— (1) Notwithstanding anything contained in these rules, the Central Government may, subject to such terms and conditions as it may impose from time to time, admit a person, who is not a citizen of India, to an examination for the grant of a licence or grant him a licence if otherwise qualified.

(2) The conditions under sub-section (1) shall, among others, include the following, namely :—

- (i) the country of which the applicant is citizen, grants reciprocal facilities to Indian nationals ;

Provided that it shall not apply where the Central Government considers that reciprocal facilities are not necessary ;

- (ii) the applicant is above the age 18 years ;

- (iii) the applicant's stay in India is not likely to be less than one year from the date of application ;

- (iv) the applicant is a holder of an appropriate category of Amateur Station Operator's certificate or licence issued by a competent authority in any other country and recognised by the Central Government ;

- (v) the licence under this rule shall be initially granted for a period of one year or for the period of validity of visa, for which the applicant's passport is endorsed, whichever is less.

27. Penalty for breach of these rules :—Any breach of these rules, other than a breach which is an offence under section 20 or 21 of the Act, shall be punishable with fine which may extend—

- (i) when the person is licensed under the Act, to one thousand rupees and in the case of continuing breach a further fine of two hundred rupees for every day after the first during the whole or any part of which the breach continues ;

- (ii) when a servant of the person so licensed or another person is punishable for the breach, to one forth of the amounts specified in clause (i).

28. Repeal and saving :—(1) On the commencement of these rules, the Indian Wireless Telegraphy (Amateur Service) Rules, 1958, shall cease to be in force.

(2) Notwithstanding such cessor,—

(a) Where before such commencement any person had passed the Amateur Station Operators' Certificate Grade I or Grade II Examination, such person shall not be required to pass any such examination under these rules ;

(b) Where, before such commencement any person was granted Amateur Wireless Telegraph Station Licence Grade I, or any such Licence was renewed and the period for which such Licence was granted or renewed extends beyond the commencement of these rules, then, such Licence shall continue to be in force for the period specified in the Licence.

ANNEXURE I

(see rules 5 & 10)

Conditions for the conduct of Amateur Wireless Telegraph Station

1. Use of the Amateur Station.—(1) The amateur station shall be used as part of self training, intercommunication and technical investigations in radiotechniques solely with a personal aim and without pecuniary interest :

Provided that when the station is licensed to an amateur radio society or club, or a school, college or an institute or a University, the use of the station shall be confined to technical investigations and training in radio communication techniques without pecuniary interest.

(2) The station may also be used for the purpose of receiving transmissions in the Standard Frequency service to facilitate operation of the station within the authorised frequency bands.

(3) Except as provided in these rules, the licensee shall not assign, under-let or otherwise dispose of or admit any person to participate in the benefits of the licence.

II. Messages.—(1) (a) Radio communications may be exchanged with other stations similarly authorised. The amateur stations are forbidden to communicate with amateur stations of countries whose administrations have notified the International Telecommunication Union of their objection to such radio communications.

(b) Transmissions shall be made in Plain language and limited to message of a technical nature relating to tests and to remarks of personal character (excluding business affairs or transactions) in which the licensee, or the person with whom he is in communication, are directly concerned and for which by reason of their unimportance, recourse to the public telecommunication service is not justified.

(c) Special recordings for reproducing sinusoidal tones within the audio frequency spectrum which may be either constant or steadily changing in frequency may be used.

(2) The licensee is forbidden to transmit —

(a) messages like the reproduction of broadcast programmes or tape recordings or transmissions of entertainment value or music ;

(b) false or misleading calls, or signals news, advertisements, communications of business, statements on topics of political or industrial controversy ;

(c) superfluous signals or any matter which is indecent or of obscene character or of a seditious tendency or which is grossly offensive or such as is likely to arouse racial, religious, or communal animosity ;

(d) messages for pecuniary reward or any messages for, or on behalf of third parties ;

(3) Notwithstanding clause (a), sub-condition (1) and clause (d), sub-condition (2) the licensees in case of failure of normal telecommunication facilities, are permitted to handle third party messages, pertaining to natural calamities such as earthquakes, floods, cyclones and wide spread fires, originating from and addressed to a competent civil authority namely, (a) District Magistrates or Deputy Commissioners or Collectors of the district ; and (b) any other officer authorised by authorities mentioned at (a) above. The licensee shall inform by letter addressed to the licensing authority regarding the use of his amateur station for such purposes on each such occasions.

III. Frequencies, Emissions and Power : The amateur station shall be operated on frequencies that are within the frequency bands authorised to respective categories of licences under rule 13 and on such classes of emissions and power not exceeding that specified in the said rule.

IV. Frequency Control and Measurement : (1) The transmitting apparatus shall be tuned as accurately as possible to ensure that no energy is radiated on any frequency outside the limits of the authorised frequency bands.

(2) The licensee shall have at the licensed amateur station a reliable frequency measuring equipment to verify, each time the frequency of the transmitter is changed and whenever it is necessary to check the transmitted frequency, that emissions are within the authorised frequency bands. The licensee shall take all steps necessary to maintain the accuracy of the frequency measuring equipment.

V. Non-Interference : (1) The amateur station shall be so designed, constructed, erected, maintained and worked as not to cause interference with any wireless telegraph service functioning, within or without India, in accordance with the provisions of the Convention or the wireless signalling between any fixed, land or mobile stations of Indian land, Naval or Air Force or between such stations and any station abroad :

Provided that in the event of interference being caused by the station licensee shall discontinue or restrict transmissions, pending adjustment of the equipment, on request from,—

- (a) the Central Government ; or
- (b) any land station.

(2) The licensee shall deploy all necessary means to ensure that the radiated frequency is free from harmonics, key clicks, hum and other forms of spurious emissions.

(3) The licensee shall ensure that the transmitter is not over modulated.

(4) The use of class B emissions (damped waves) is forbidden.

VI. Log (Diary of the radio service):—(1) A chronological record of all transmissions emanating from or received at the amateur station shall be kept in bound book (not loose-leaf) showing the following :

- (a) Date and time of each transmission ;
- (b) a summary of the communications exchanged ;
- (c) a brief description of the experiments and tests undertaken ;
- (d) the call sign of station or stations with which messages have been exchanged, times of establishing and terminating communication with each station and the frequency and type of emission employed in each case ;
- (e) time of opening and closing down the amateur station ;
- (f) in case of portable or mobile amateur station the particulars of temporary location.

(2) All times in the log shall be stated in the Indian Standard Time.

(3) No gaps shall be left between entries in the log and they shall be made and initialled at the time of receiving and transmitting.

(4) In case the station is operated by a person other than the licensee (see rule 23), the licensee shall ensure that log is signed by that person indicating his name, call sign and licence number ;

(5) Licensee shall preserve the log for a period of one year from the date of last entry therein before it is destroyed.

Provided that no log shall be destroyed for such further period as the Central Government may direct.

(6) The form of log is shown in the Table attached to these conditions.

VII. Wireless Telegraphy Apparatus :

(1) The amateur station shall be equipped for reception as well as transmission except in the case of Short Wave Listener's Wireless Telegraph Station Licence when it shall be equipped for the former only.

(2) The wireless telegraphy apparatus and other accessory equipment used or intended to be used by the licensee shall be so arranged as not to endanger the safety of licensee or other persons.

(3) The wireless telegraphy apparatus shall be kept in a safe condition and housed in such a manner as to preclude access to unauthorised persons.

(4) The transmitter shall be of a type that has a frequency stability comparable to that of a crystal control.

(5) Meters of standard accuracy shall be installed to measure the d.c. power input to the anode circuit of the final radio frequency stage of the transmitter.

(6) The aerial used or intended to be used shall be so erected, fixed, or placed as not to cross above or fall on to any power, telegraph or telephone line. If required, the

licensee shall take necessary steps to guard, to the satisfaction of the owner or owners concerned, so as to prevent any damage being done in the event of a break occurring in the aerial. The aerial installation shall not cause hazard to flight of aircraft and their heights shall be within the limits specified by the Director General of Civil Aviation in India from time to time. The licensee shall, if so directed, install and maintain beacon lights on and paint the mast of the station at his own cost.

VIII. Secrecy of Correspondence :

If any message which the licensee is not entitled to receive is, nevertheless received, the licensee shall not make known or allow to be made known its contents, its origin or destination, its existence or the fact of its receipt to any person (Other than duly authorised officer of the Central Government or a competent legal tribunal) and shall not reproduce in writing, copy or make any use of such message or allow the same to be reproduced in writing, copied or made use of.

XI. (1) General Radiotelegraph and Radiotelephone Procedure :

- (a) Before transmitting, the station shall take precautions to ensure that its emissions will not interfere with transmissions already in progress. If such interference is likely the transmission shall not commence till there is an appropriate break in the communications in progress.
- (b) The call sign endorsed in the licence shall be sent for identification at the beginning and at the end of each period of transmission. When the period of transmission exceeds 10 minutes the call sign shall be repeated. Licensee shall not make transmission without identification or with false identification.
- (c) Prolonged calls and transmissions shall be avoided.
- (d) When it is necessary to spell out call sign, certain expressions, difficult words, abbreviations, figures etc., the phonetic alphabet and figure code given in the Convention shall be used.

(2) Call and Reply Procedure :

- (a) The call shall consist of—
the call sign of the station called, not more than three times ;
the word DE (in case of radiotelegraphy) and the words 'This IS' (in case of radiotelephony) ;
the call sign of the calling station, not more than three times.

- (b) The reply to call shall consist of—

- the call sign of the calling station, not more than three times ;
the word DE (in case of radiotelegraphy) and the words 'This IS' (in case of radiotelephony) ;
the call sign of the station called, not more than three times.

- (c) The call may be sent three times at intervals of two minutes ; thereafter it shall not be repeated until an interval of 10 minutes during which the operator shall listen in the frequency band in which the call has been made.

- (d) In case of general call to all stations the signal 'CQ' (in case of radiotelegraphy) and the words 'Hallow all stations' or the signal 'CQ' (in case of radiotelephony) shall replace the call sign of the station called in the calling procedure.

(3) End of Transmission and Work :

- (a) Transmission of a message shall be terminated by the signal AR (in case of radiotelegraphy) and by the word 'Over' (in case of radiotelephony) ;
- (b) The end of work between two stations shall be indicated by each of them by means of the signal VA (in case of radiotelegraphy) and by the word

'OUT' (or VA spoken as Victor Alfa) in case of radiotelephony.

(4) TESTS :

- (a) When it is necessary to make test signals either for the adjustment of a transmitter or a receiver or for any experiment, such signals shall not be continued for more than 30 seconds and shall be composed of series of VVV followed by the callsign of the station emitting the test signals. In case of radiotelephony series of VVV shall be replaced by the figures 1, 2, 3, 4..... spoken in the figure code.
- (b) For tests exceeding 30 seconds an artificial aerial shall be used.
- (c) Emission of carrier wave is forbidden unless such wave is subjected to intelligible modulation.

X. Inspection :

(1) Any officer authorized by the Central Government in that behalf in writing by them, may at all reasonable times enter the station solely or jointly with any other person or persons for the purpose of inspecting and may inspect, examine or test any apparatus installed or being installed in the station. The licensee shall extend all facilities for the conduct of such inspections and tests and make available the licence, the station log or other records for examination by the inspecting officer.

(2) The licensee when called upon to do so by the Central Government shall arrange to forward the licence, the log book, or any other record or data for examination by that Government.

XI. Powers to take possession of the Amateur Station and to order interception of messages:

(1) On the occurrence of any public emergency, or in the interest of the public safety, the Central Government or a State Government or any officer specially authorised in this behalf by the Central Government or a State Government may, if satisfied that it is necessary or expedient so to do, take temporary possession (for so long as the public emergency exists or the interest of the public safety requires the taking of such action) of the Amateur Station.

(2) On the occurrence of any public emergency or in the interest of the public safety, the Central Government or a State Government or any officer specifically authorised in this behalf by the Central Government or a State Government may, if satisfied that it is necessary or expedient so to do in the interests of the sovereignty and integrity of India, the security of the State, friendly relations with foreign States or public order or for preventing incitement to the commission of an offence, for reasons to be recorded in writing, by order, direct that any message or class of messages relating to any particular subject, shall not be transmitted or received or shall be intercepted by the station or shall be disclosed to the Government making the order or an officer thereof mentioned in the order.

(3) The licensee shall not be entitled to any compensation in respect of the exercise of the powers conferred by sub-condition (1) and (2) of this condition.

XII. The licensee shall indemnify the Central Government against all actions, claims and demands which may be brought or made by any person body corporate or company in respect of any injury arising from any act licensed or permitted by the licence.

XIII. A copy of the Indian Wireless Telegraphs (Amateur Service) Rules, 1978 shall be kept at the Amateur Station.

TABLE

[See Condition VI (6)]

Specimen Form of Log

Sr. No. of Con- tact	Date	Time	Frequency & Type of Emi- ssion & power input to final stage	Station Called by	Station heard or worked Called by	R S T	Report Received R S T	Time of Terminat- ing QSO	Time of Record Experiment & tests/summary of communica- tion	Q S L Cards	S. inl.
				F	E	P					

ANNEXURE-II

Application from an individual for a licence to Establish, Maintain and Work an Amateur Wireless Telegraph Station in India
(see rule 6 & 8)

1. NAME :
(Last name) (First) (Middle)
2. Father's name and address
.....
3. Address (Present)
.....
4. Address (Permanent)
.....

5.	1	2		
	Date of birth	Place of Birth		
	Nationality	Occupation		
<hr/>				
6.	(a) Category of licence applied for (b) Exact location of the Station			
<hr/>				
7.	Do you hold Radiotelegraph Operator's Certificate? If yes, give particulars:			
	Name of the certificate	No.		
		Date of Issue		
<hr/>				
8.	Particulars of Amateur Station Operator's Examination:			
	Name	Centre		
		Month of Examination		
<hr/>				
9.	Particulars of apparatus to be used:			
Apparatus	Manufacturer's Name	Type No.	Frequency Range	R.F. Power Output
Transmitter				
Receiver				
Frequency Measuring Device				
10. If appeared in any of the Amateur Station Operators' Examination If yes, indicate the date of the examination.		Yes/No		

DECLARATION

I hereby solemnly declare that the foregoing facts are true and correct and nothing is false therein and nothing material has been concealed therefrom. I also agree that in case any information given by me hereinbefore is found false at a later date, the licence, if granted, will be cancelled.

I further solemnly give an undertaking that I will not either directly or indirectly divulge to any person, except when lawfully authorised or directed to do so, the purport of any message which I may transmit or receive by means of any wireless apparatus operated by me or which may come to my knowledge in connection with the operation of said apparatus.

I have carefully read and understood the rules contained in the Indian Wireless Telegraphs (Amateur Service) Rules, 1978 and undertake to abide by them and observe the conditions of the licence. The licensed station shall not be made accessible to any unauthorised person at any time.

Signature of witness:

Name (in block letters):

Address:

Date:

Signature of applicant :
Name (in block letters):
Date:
Place:

Note : 1. An attested copy of birth certificate or school leaving certificate must be accompanied alongwith the application.

2. Enclose a certificate in support of nationality in the prescribed proforma, indicated in Appendix III, from one of the officers listed therein.

ANNEXURE III

Application for a licence to establish, maintain and work an Amateur Wireless Telegraph station by an Amateur Radio Society or Club or a School, College or an Institute or a University in India

(See rules 6 & 8)

1. Name and address of the Amateur Radio Society/Club/School/Institute etc.

2. Particulars of authorised official of the Society/Club/School etc. in whose favour licence is desired:

Name	1	Designation	2
Date of birth	Place of birth	Nationality	Occupation

3.

(a) Category of licence applied for

(b) Exact location of the station

4. Particulars of Amateur Wireless Telegraph Station licence held by the authorised official

Category of licence	No.	Date of issue
---------------------	-----	---------------

5. Particulars of the Amateur Radio Society or club, school etc.

(a) If registered, give its particulars:

(b) In case of school, college or institute, give the name of Board or University by which it is recognised.

3

(c) Give in brief its aims and objectives:

(d) If affiliated to any radio amateur organisation, give its particulars:

4

(e) Give the names of office bearers:

(f) Mode of operation of the station including its normal hours of working:

6. Particulars of Apparatus to be used:

Category of Apparatus	Manufacturer's name	Type No.	Frequency range	RF power output
Transmitter				
Receiver				
Frequency Measuring Device				

DECLARATION

I hereby solemnly declare that the foregoing facts are true and correct and nothing is false therein and nothing material has been concealed therefrom. I also agree that in case any information given by me hereinbefore is found false at a later date the licence, if granted, will be cancelled.

I further solemnly give an undertaking that I will not either directly or indirectly divulge to any person, except when lawfully authorised or directed to do so, the purport of any message which I may transmit or receive by means of any wireless apparatus operated by me or which may come to my knowledge in connection with the operation of said apparatus.

I have carefully read and understood the rules contained in the Indian Wireless Telegraphs (Amateur Service), Rules 1978 and undertake to abide by them and observe the conditions of licence. The licensed stations shall not be made accessible to any unauthorised person at any time.

Signature of Applicant :

Name (in block letters) :

Date :

Place :

Signature of witness :

Name (in block letters) :

Address :

Note :

1. An attested copy of birth certificate or school leaving certificate must be accompanied alongwith the application.
2. Enclose a certificate in support of nationality in the prescribed proforma indicated in Appendix III, from one of the officers listed therein.
3. Attach a copy of the rules and regulations or constitution.
4. Attach the minutes of the relevant meeting.

ANNEXURE IV

(see rule 9)

Licence No.

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

Licence to Establish, Maintain and Work an Amateur Wireless Telegraph Station in India

Having satisfied, by examination or otherwise, that Shri..... possesses the requisite technical qualifications as prescribed under the Indian Wireless Telegraphs (Amateur Service) Rules, 1978, the Central Government in exercise of the powers conferred under the authority of section 4 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), hereby grant to him an.....to establish, maintain and work a wireless telegraph transmitting and receiving station, detailed below, during the term of period commencing on the day of the date hereof and terminating on the....., 19..... when this licence becomes invalid unless renewed further by way of a document showing the renewal of licence.

The licensee is governed by the Indian Wireless Telegraphs (Amateur Service) Rules, 1978.

Particulars of the Station :

Location :	Callsign
.....

Issued by the Government of India
in the Ministry of Communications

New Delhi :

Dated :

Deputy/Assistant Wireless Adviser
to the Government of India.

Signed by the licensee
in the presence of

Date :

Signature of Licensee
Date

ANNEXURE V

Authorised Frequency Bands, Power and Emission

(See rule -13)

Category of Licence	Frequency Bands	Emission	Max. D.C. input power
(a) Amateur wireless Telegraph Station Licence Grade II	3890—3900 KHz 7000—7100 „ 144—146 MHz	A1 A1 (A3, A3A, A3J F3)	25 Watts 25 „ 5 „
(b) Amateur wireless Telegraph station Licence Grade I	3890—3900 KHz 7000—7100 „ 14000—14350 „ 21000—21450 „ 28000—29700 „ 144—146 MHz	(A1, A3, F3, A3A, A3J, A3H) „ „ „ (A1, A2, A3, A3A, A3J, F1, F2 F3, A3H, A5)	150 Watts „ „ „ 10 W.

Category of Licence	Frequency Bands	Emission	Max. D.C. input power
(c) Advanced Amateur Telegraph Station Licence.	3890—3900 KHz 7000—7100 „ 14000—14350 „ 21000—21450 „ 28000—29700 „ 144—146 MHz	(A1, A3, A3A, A3J, A3H, F1, F2, F3, A5) A1, A2, A3, A3A, A3J, A3H A4, A5, F1, F2, F3, F4	150 Watts 25 Watts for terrestrial use and 100 Watts for Satellite/working.

NOTES: (1) In case of Grade I and Advance Category of licence, the power for A1 emission shall be limited to 100 watts.

(2) For A5 emission, the transmissions shall be restricted to callsign of the station, location and other particulars of the Amateur station. They shall be limited to point to point test transmission employing a standard interlace and scanning with a band-width not more than 4 KHz.

(3) D. C. input power is the total direct current power input to (i) the anode circuit of the valve(s) or (ii) any other device energising the aerial.

(4) For A3A and A3J emissions, the power shall be determined by the peak envelope power under linear conditions and it shall be limited to 2.667 times the D.C. input power specified.

(5) In case of Short wave Listener's Amateur Licence, the holders are permitted to listen to all the bands allocated to Amateur Service.

(6) In the case of Amateur Wireless Telegraph Station Licence Grade II the operation shall be restricted to radio telephony in the band 144—146 MHz only in case the holder of the licence does not qualify in the Morse test.

ANNEXURE—V

Register for Wireless Telegraphy Apparatus
(see rule 16)

S. No.	Particulars of the apparatus		Name & address of the person from whom received (In case assembled by Licensee, write self-made)	Date of Receipt or Assembly	In case of purchase, give receipt No. & indicate the licence No. of the seller.
	Make	Model & Type	Chasis No.		

Name & address of the person to whom sold or transferred	Date of sale or transfer	Particulars of the licence issued in the name of the purchaser	Remarks

ANNEXURE VII

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMUNICATIONS
(Wireless Planning & Coordination Wing)

Form of Application for the issue of duplicate of an Amateur Station Licence or Document showing the renewal of the Licence

(see rule 20)

- Full name of the applicant (in block letters)
- Permanent address in full
- Particulars of Amateur Station licence or document showing the renewal of the licence.

4. Whether the licence or the document showing the renewal of the licence is lost or mutilated or destroyed?

5. Whether any reasonable search has been made for the licence or the document showing the renewal of the licence.

I hereby declare that in the event of the original Licence/ or document showing the renewal of the licence be found, either the original or the duplicate shall be sent to the Ministry of Communications.

Station.....

Date.....

Registration No. of Licence	Category	Date of Issue	Any other particulars showing / the renewal licence of the Licence
-----------------------------	----------	---------------	--

Signature of Applicant
Present Address

APPENDIX I

Syllabus and the details of Examinations for the award of Amateur Station Operator's Licence

1. The examination shall consist of the following two parts :

Part I : Written Test

It shall comprise of one paper containing two sections as under :

Section I : Radio Theory and Practice

Note : Applicants holding degree in telecommunication, or electronics and electrical communications, or a degree recognised by the Central Government as equivalent to the above degree shall be exempted from appearing in Section I of the test.

Section II : National and International Regulations applicable to the operation of amateur station and those relating to the working of station generally.

Part II : Morse

- (i) Receiving and (ii) Sending.

2. Detailed Syllabus :**2.1. Amateur Station Operator's Grade II : Examination.****Part I : Written Test.****(a) Section 1 : Radio Theory and Practice :**

Elementary Electricity and Magnetism.—Elementary theory of electricity, conductors and insulators, units, Ohm's Law, resistance in series and parallel conductance, power and energy, permanent magnets and electro-magnets and their use in radio work; self and mutual inductance; types of inductors used in receiving and transmitting circuits, capacitance; construction of various types of capacitors and their arrangements in series and/or parallel.

Elementary Theory of Alternating Currents.—Sinusoidal alternating quantities—peak, instantaneous, R.M.S., average values, phase; reactance, impedance; series and parallel circuits containing resistance, inductance, capacitance; power factor, resonance in series and parallel circuits; coupled circuits; transformers for audio and radio frequencies;

Thermonic Valves.—Construction of valves; thermonic emission, characteristic curves, diodes, triodes and multi-electrode valves; use of valves as rectifier, oscillators, amplifiers, detectors and frequency changers, power packs, stabilisation and smoothing, elementary theory and construction of semi-conductor devices—diodes and transistors.

Radio Receivers.—Principles and operation of T.R.F. and superheterodyne receivers, CW reception; receiver characteristics—sensitivity, selectivity, fidelity; adjacent channel and image interference; A.V.C. and squelch/circuits; signal to noise ratio.

Transmitter.—Principles and operation of low power transmitter; crystal oscillators, stability of oscillators.

Radio propagation.—Wave length, frequency, nature and propagation of radio waves; ground and skywaves; skip distance; fading.

Aerials.—Common types of transmitting and receiving aerials.

Frequency Measurement.—Measurement of frequency and use of simple frequency meters.

(b) Section 2 : Regulations :**(a) Knowledge of—**

- (i) the Indian Wireless Telegraph Rules, 1973;
- (ii) the Indian Wireless Telegraphs (Amateur Service) Rules, 1978.

(b) Knowledge of International Radio Regulations as relating to the operation of amateur stations with particular emphasis on the following :—

Item	Provision of Radio Regulation
—Designation of Emission	104—110
—Nomenclature of the Frequency & Wavelength	112
—Frequency Allocations to Amateur Services	Article 5
—Measures against interference	667—677
—Interference and Tests	693—703
—Identification of Stations	735—737 743, 772—773
—Distress and Urgency Transmissions	1389—1396, 1477—1478, 1481, 1483.
—Amateur Station	1560—1567
—Phonetic Alphabets and figure code	Appendix 16
(c) Standard Frequency and Time Signals Services in the world.	
(d) The following 'Q' codes and abbreviations which shall have the same meaning as assigned to them in the Convention.	
QRA, QRG, QRH, QRI, QRK, QRL, QRM, QRN, QRC, QRS, QRT, QRU, QRV, QRW, QRX, QRZ, QSA, QSB, QSL, QSO, QSU, QSV, QSW, QSX, QSY, QSZ, QTC, QTH, QTR, and QUM.	

Abbreviations :

AA, AB, AR, AC, C, CFM, CL, CQ, DE, K, NIL, OK, R, TU, VA, WA, WB.

The above written test is of one hour duration. The maximum number of marks is 100 and candidates must secure at least 40 per cent in each section and 50 per cent in aggregate for a pass.

Part II : Morse.**(a) Section 1 : Morse Receiving (Speed : 5 words per minute)**

The test piece will consist of a plain language passage of 125 letters, five letters counting as one word. Candidates are required to receive for five consecutive minutes at the speed of 5 words per minute from a double head-gear headphone receiver, international morse code signals from an audio oscillator keyed either manually or automatically. A short practice piece may be sent at the prescribed speed before the start of the actual test. Candidates will not be allowed more than one attempt in each test. The test may be written in ink or pencil but must be legible. Bad handwriting and over-writing will render a candidate liable to disqualification. More than 5 errors will disqualify a candidate.

(b) Section 2 : Morse Sending (Speed : 5 words per minute)

The test piece will consist of a plain language passage of 125 letters, 5 letters counting as one word.

Candidates are required to send on an ordinary key for five consecutive minutes at the minimum speed of five words per minute. A short practice piece may be allowed before the actual test. Candidates will not be allowed more than one attempt in the test. Efforts should be made to correct all errors. However, more than 5 uncorrected errors will disqualify a candidate. The accuracy of signalling, correct formation of characters and the correctness of spacing shall be taken into account.

Note : A candidate is required to pass both in Part I and Part II. In the case of candidates qualifying in Part I only, the licence shall be restricted to radiotelephone operations only.

2.2. Amateur Station Operators' Grade I Examination

Part I : Written Test—Same syllabus as for the Amateur Station Operators Grade II examination. The test is of 2 hours

duration. The maximum number of marks is 100 and candidates must secure at least 50 per cent in each section and 55 per cent in aggregate for a pass.

Part II : Morse.

(a) Section 1 : Morse Receiving (Speed 12 words per minute)

The test piece will consist of plain language passage of 300 characters which may comprise of letters, figures and punctuations (Punctuations are indicated below). The average words shall contain five characters and each figure and punctuation will be counted as two characters. Candidates are required to receive for five consecutive minutes at a speed of 12 words per minute. Other conditions are the same as applicable to Amateur Station Operators' Grade II examination.

Note : Test piece may contain only the following punctuations :—

Full stop ; Comma ; Semi-colon ; Break sign ; Hyphen and question mark.

(b) Section 2 : Morse Sending (Speed 12 words per minute)

The test piece will be similar to Morse Receiving test. Candidates are required to send for five consecutive minutes at a speed not less than 12 words per minute. Other conditions are the same as applicable to Amateur Station Operators' Grade II examination.

Note : A candidate is required to pass both in Part I and Part II simultaneously.

2.3. Advanced Amateur Station Operators' Examination.

Part I : Written Test :

(a) Section 1 : Radio Theory and Practice.—In addition to the syllabus prescribed for Amateur Station Operators' Grade II examination, following terms shall be included in the syllabus of Advanced Amateur Station Operators' examination :—

- (i) Motors and Generators.—Elementary principle and construction of alternators, motors and Generators.
- (ii) Alternating current.—Construction of transformers, transformer losses, transformer as a matching device.
- (iii) Measuring Instruments.—Moving coil and moving iron meters, frequency meters.
- (iv) Semiconductor devices and Transistors.—Elementary principles of conduction and construction, symbols, biasing methods.
- (v) Power Supplies.—Half wave and full wave rectifiers, smoothing and regulation, bridge rectifier.
- (vi) Modulation.—Principles of frequency modulation.
- (vii) Transmitters and Receivers.—Elementary principles of transmission and reception of Facsimile and Television signals, elementary principles of transmitters and receivers employing single side band.
- (viii) Propagation.—Characteristics of ionosphere and troposphere. Properties of different reflecting layers, optimum working frequency, day and night frequencies.

(ix) Aerials.—Principles of radiation, aerials for different frequency bands including aerials for microwave.

(x) Space Communications.—Elementary principles of communication via satellite.

Section 2 : Regulations.—Same syllabus as prescribed for Amateur Station Operators' Grade II examination.

The test is of 3 hours duration. The maximum number of marks is 100 and candidates must secure at least 50 per cent in each section and 60 per cent in aggregate for a pass.

Part II : Morse.—Same syllabus as prescribed for Amateur Station Operators' Grade I Examination.

Note : The holders of Amateur Station.

Operators' Grade I Licence shall however be exempted from Part II of the examination.

APPENDIX II

Schedule of Examinations

S. No.	Place	Month of exami- nation
1.	Delhi, Bombay, Calcutta and Madras	Every month.
2.	Ahmedabad, Hyderabad and Nagpur	Januray, March, June, August, Octo- ber & December.
3.	Ajmer, Bangalore, Darjeeling, Gorakhpur, Jullundur, Goa, Mangalore, Shillong, Ranchi, Srinagar and such other places where a monitoring station of the Monitoring Organisation of the Ministry of Communications is located.	January, April, July and October.

APPENDIX III

Nationality Certificate

Certified that I have known Shri _____ son of Shri _____ for the last _____ years and that to the best of my knowledge and belief he/she bears a good moral character. He/she is of _____ nationality. He/she is not related to me.

Address :

Signature :

Dated :

Designation :

Seal :

Note.—This certificate should be from one of the officers listed below :—

1. Gazetted officers of Central or State Governments.
2. Members of Parliament or State Legislature.
3. Sub-Divisional Magistrate/Officer.
4. Tehsildars or Naib/Deputy Tehsildars Authorised to exercise magistrail powers.

[No. R. 11013/3/75-LR]

R. K. KUTAR, Assistant Wireless Adviser